RNI No:- DELHIN/2023/86499 **DCP Licensing Number:** F.2 (P-2) Press/2023

वर्ष 02, अंक 146, नई दिल्ली । मंगलवार, 06 अगस्त 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

अपने मिशन में सफल होने के

लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा।

🔢 आप पार्टी को एल्डरमैन नियुक्ति पर सुप्रीम झटका

📭 एयर होस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड में करियर के अवसर और चुनौतियाँ

भीलवाड़ा में नवीन गौशाला भूमि आवंटित - कोठारी

दिल्ली परिवहन विभाग का अद्भुत सच जिसको जानना सभी के लिए अति आवश्यक

सभी तकनीकी पदो पर गैर तकनीकी

अधिकारियों को और तकनीकी अधिकारियों

को गैर तकनीकी पदो पर नियुक्त कर दिया और

नई दिल्ली। परिवहन विभाग जहां जनता को अपने वाहनों (निंजी एवं व्यासायिक) से सम्बंधित सभी कार्यों के लिए जाना-आना अनिवार्य है। निजी वाहनों के लिए एक बार माने तो कुछ मुख्य कार्यों को छोडकर एक बार गैर तकनीकी अधिकारी शायद काम संभाल ले पर वाहनों की फिटनेस, वाहनों में छेड़छाड़, वाहनों के फ्यूल मोड में परिवर्तन, वाहनों के चेसिस एवम्इंजन नबर की सही जांच सिर्फ तकनीकी अधिकारी ही कर सकता हैं। व्यावसायिक वाहनों की श्रेणी में एडिमिनिस्ट्रेशन कार्य को छोड़कर कोई भी कार्य गैर तकनीकी अधिकारी नहीं कर सकते और इस बात की पुष्टि सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया एवम्न्यायिक केट द्वारा भी की गई है। सम्पर्ण विश्व में कहीं भी किसी भी परिवहन विभाग में प्रवर्तन अधिकारी एवम्तकनीकी कार्यों के लिए गैर तकनीकी अधिकारी नियुक्त नही हैं। भारत देश की राजधानी दिल्ली के परिवहन विभाग में तैनात आला अधिकारी इस बात से सहमत नहीं हैं और उन्होने कार्यभार संभालते ही मौका मिलते ही

सबसे अधिक अचंबित बात तब सामने आई जब उन्होने प्लानिंग विभाग द्वारा परिवहन विभाग में प्लानिंग के कार्य करने के लिए भेजे अधिकारियों को अपने पद के बल का प्रयोग कर तकनीकी पदो एवम तकनीकी शाखाओं में आसिन कर तकनीकी कार्यों को करने के युजर कोड तक दिलवा दिए। सभी विशेषज्ञ, कानुन औरनियम के ज्ञाता, एवम्जनता इस बात पर अपने विचार प्रकट करे की प्लानिंग करने वाले अधिकारी (संख्यिकी अधिकारी) क्या तकनीकी कार्यों को करने के लिए सक्षम है जो विशेष परिवहन आयुक्त ने पदो पर आसिन किए।क्या आईटी शाखा द्वारा आईटी कार्य करने वाले अधिकारी, प्लानिंग विभाग द्वारा प्लानिंग कार्यों को करने के लिए भेजे अधिकारी को तकनीकी शाखाओं में जिसमे जनता की सरक्षा जुड़ी है पर आसिन करना क्या न्यायप्रिय और कानून की दृष्टि में सही है ?

अब जाने परिवहन विभाग का अद्भृत सच दिल्ली में निजी वाहनों और व्यावसायिक वाहनों के कार्यों को करने के अंदाजन 20 शाखाओं के साथ ड्राइविंग स्किल डेवलपमेंट टेस्ट सेंटर कार्यरत है और परिवहन विभाग में कार्यरत तकनीकी अधिकारीयों

एमवीआई 18 एमएलओ/ डीटीओ:- मात्र 2 पूर्व से ही परिवहन विभाग में 44 एमवीआई और

19 एमएलओ/ डीटीओ की पोस्ट है पर अपनी हठ और पद के बल पर इन पदों पर भर्ती ही नहीं होने दे रहे और जो तकनीकी अधिकारी ऐसे हालातों से परेशान होकर वीआरएस प्रस्तुत कर रहें है उसकी समस्याओं के समाधान के बदले वीआरएस की फाइल पर अपनी इच्छा की राय लिखकर मुख्य सचिव से एक्सेप्ट करवा कर उन्हें भी हटाने में व्यस्त हैं। पिछले कछ महीनों में ही कई तकनीकी अधिकारियों ने वीआरएस अप्लाई किया और सभी को एक्सेप्ट करवाने का श्रेय परिवहन विभाग के आला अधिकारी को जाता हैं।यहां यह जानने की मुख्य बात है की आख़िर ऐसे हालतों को देखकर भी मख्य सचिव और उपराज्यपाल क्यों इसकी जांच नहीं करवा रहें और अपने ही आधीन डीएसएसबी द्वारा तकनीकी अधिकारियों की तत्काल प्रभाव से भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं करवा रहें ? कुछ तो है जो जनहित में जनता से छुपाया जा



भारतीय उद्योग में जापानी संस्कृति के सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के बेहतर संभावनाएँ



डॉ. लॉजिस्टिक्स

भारत और जापान के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं, और जापानी संस्कृति के सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाकर भारतीय उद्योग में सुधार की बड़ी संभावनाएँ हैं। जापानी कार्य संस्कृति, जिसमें अनुशासन, मेहनत, गुणवत्ता पर ध्यान और नवाचार शामिल हैं, भारतीय उद्योगों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो सकती है।

जापानी कार्य संस्कृति के प्रमुख तत्वों में से एक है जस्ट-इन-टाइम (JIT) प्रणाली। यह प्रणाली उत्पादन प्रक्रिया को सुचारू और कुशल बनाती है, जिससे अनावश्यक वेस्टेज कम होता है और लागत में कमी आती है। भारतीय कंपनियाँ JIT प्रणाली को अपनाकर अपनी उत्पादन प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बना सकती हैं।

इसके अतिरिक्त, काइज़ेन (Kaizen) की अवधारणा निरंतर सुधार पर बल देती है। भारतीय कंपनियाँ काइज़ेन को अपनाकर अपनी कार्यक्षमता और उत्पादकता में निरंतर सुधार कर सकती हैं। इससे वे अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकती हैं और वैश्विक

बाजार में अपनी पहचान बना सकती हैं। 5S प्रणाली, जो स्वच्छता और व्यवस्था पर बल देती है, कार्यस्थल के माहौल को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। भारतीय उद्योगों में 5S प्रणाली को अपनाकर कार्यस्थल पर स्वच्छता

और व्यवस्था बनाए रखना संभव है, जिससे उत्पादन प्रक्रिया सुचारू होती है और कर्मचारियों की संतुष्टि बढती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को बढावा देने के लिए जापानी तकनीकों और अवधारणाओं को अपनाना महत्वपर्ण है। नीति सधार, शिक्षा और प्रशिक्षण, तकनीकी नवाचार और उच्च गुणवत्ता मानकों का पालन करने से भारतीय कंपनियाँ जापानी तकनीकों को सफलतापर्वक अपना सकती हैं।

डॉ. लॉजिस्टिक्स के माध्यम से, भारतीय युवा और पेशेवरों को जापानी कार्य संस्कृति, JIT, Kaizen और 5S प्रणाली के बारे में शिक्षा और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे वे इन तकनीकों को अपनाकर अपने कार्यक्षेत्र में सुधार कर सकते हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था को बढावा दे सकते हैं।

संक्षेप में, जापान की प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में सफलता उनके अनुशासन, मेहनत, गुणवत्ता पर ध्यान और नवाचार की वजह से है। यदि भारतीय उद्योग जापानी संस्कृति के सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाते हैं, तो वे न केवल अपनी उत्पादकता और कार्यक्षमता में सधार कर सकते हैं. बल्कि वैश्विक बाजार में भी अधिक प्रतिस्पर्धी बन

> डॉ. अंकुर शरण (डॉ. लॉजिस्टिक्स) drlogistics.ankur@gmail.com

दिल्ली को जल्द मिलेगा तीन बड़ी परियोजनाओं का लाभ इसमें राजधानी का पहला डबलडेकर फ्लाईओवर भी शामिल

दिल्ली की स्थिति पर नजर डालें तो भजनपुरा में बन रहे डबल डेकर फ्लाईओवर को दिसंबर तक जनता को समर्पित करने की सरकार की योजना है इसे डीएमआरसी बना रही है। इसमें फ्लाईओवर के हिस्से का पूरा पैसा दिल्ली सरकार के तहत पीडब्ल्यूडी खर्च कर रहा है जबकि ऊपर वाला हिस्सा मेट्रो लाइन के निर्धारित है। इसके लिए डीएमऑरसी की योजना के तहत पैसा खर्च हो रहा है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। कोरोना काल के बाद यह साल पहला ऐसा साल है जब दिल्ली को ढांचागत विकास की तीन बडी परियोजनाओं का लाभ मिलने जा रहा है। अगले चार माह में ये परियोजनाएं एक-एक कर जनता को समर्पित होंगी। इनमें दो पूर्वी दिल्ली और एक बाहरी-पश्चिमी दिल्ली को योजनाएं शामिल हैं। लोक निर्माण मंत्री आतिशी ने जल्द काम पुरा इन्हें जनता को समर्पित करने के निर्देश दिए हैं, जिससे जनता को लाभ मिल सके।

दिल्ली की स्थिति पर नजर डालें तो भजनपुरा में बन रहे डबल डेकर फ्लाईओवर को दिसंबर तक जनता को समर्पित करने की सरकार की योजना है, इसे डीएमआरसी बना रही है। इसमें फ्लाईओवर के हिस्से का पूरा पैसा दिल्ली सरकार के तहत पीडब्ल्यूडी खर्च कर रहा है जबकि ऊपर वाला हिस्सा मेटो लाइन के निर्धारित है। इसके लिए डीएमआरसी की योजना के तहत पैसा खर्च हो रहा है।

अधिकारियों की लापरवाही से जाम भी

इसके अलावा अप्सरा बार्डर से आनंद विहार के बीच बनने वाला फ्लाईओवर लगभग तैयार है, अगले माह यह जनता को समर्पित हो सकता है। मगर यहां पर सड़क संकरी हो जाने और स्थानीय अधिकारियों की लापरवाही से जाम भी लग रहा है।

यह जानकारी सामने आने पर मंत्री आतिशी ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि यह सनिश्चित करें कि निर्माण स्थलों पर जनता को यातायात जाम से परेशानी नहीं उठानी पड़े। जिन स्थानों पर यातायात के संचालन के लिए जगह कम है वहां पर पूरे प्रबंध किए जाएं कि यातायात प्रभावित नहो

जाम से मिलेगी राहत और न ही जाम लगे। वहीं पंजाबी बाग सिग्नल फ्री परियोजना भी अगले माह तक पूरी हो रही है।

यमुना विहार और भजनपुरा के बीच 1.4 किमी लंबा डबल-डेकर फ्लाईओवर बन रहा है। यह दिल्ली का पहला पहला डबलडेकर फ्लाईओवर होगा, जिसमें ऊपर के भाग में मेटो गजरेगी. नीचे के भाग में वाहन और इसके नीचे यानी सड़के भाग में भी यातायात जारी रहेगा।इस योजना का 95 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है। इस परियोजना के पूरा हो जाने के बाद आसपास के क्षेत्र की जनता को लंबे यातायात जाम से नहीं जूझना पड़ेगा और उनका कीमती समय बचेगा।

यातायात जाम सेमिलेगी निजात

पंजाबी बाग स्थित दोनों सिंगल फ्लाईओवर को डबलकिया जा रहा है। मौजदा दोनों फ्लाईओवर वन-वे हैं। दोनों फ्लाईओवर की 1-1 लेन को बढ़ाकर तीन

लेन का किया जा रहा है। इसके साथ ही दोनों फ्लाईओवर के साथ 3-3 लेन के नए फ्लाईओवर तैयार किए जा रहे हैं। फ्लाईओवर के दोहरीकरण के साथ इसका पंजाबी बाग़ से राजा गार्डन तक 1400 मीटर तक विस्तार भी किया जा रहा है।

आनंद विहार और अप्सरा बार्डर के बीच सिग्नलफ्रीकॉरिडोर

आनंद विहार आरओबी और अप्सरा बार्डर आरओबी के बीच रोड नंबर-56 पर करीब 1440 मीटर लंबे और छह लेन के चौड़े फ्लाईओवर का निर्माणकिया जा रहा है।इसके निर्माण के बाद रामप्रस्थ कॉलोनी, विवेक विहार और श्रेष्ठ विहार रेड लाइट पर लगने वाले जाम की समस्या से लोगों को मक्ति मिल जाएगी। एनसीआरटीसी द्वारा रैपिड मेटो का स्टेशन बनाने के बाद इस फ्लाईओवर से होकर

प्रतिदिन औसतन 1.48 लाख वाहन गुजरेंगे। सीएम अरविंद केजरीवाल की मंशा के अनुरूप दिल्ली की जनता को दिनया की बेहतरीन ढांचागत सुविधाएं देने के लिए दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध है। इसी के तहत अगले चार माह में ढांचागत विकास की तीन बड़ी परियोजनाएं जनता को मिलने जा रही हैं।इसमें अप्सरा बार्डर से आनंद विहार फ्लाई ओवर, पंजाबी बाग सिग्नल फ्री कॉरिडोर योजना तथा भजनपरा में बन रहा डबलडेकर फ्लाईओवर शामिल है । इनसे पर्वी दिल्ली और बाहरी दिल्ली पश्चिमी दिल्ली में जाम को दुरकरने में बड़ी राहतमिलेगी । इससे पैसे की बचत हो रही है।शानदार इंजीनियरिंग का मॉडल बन चुके इस फ्लाईओवर से सघन आबादी वाले क्षेत्र में जमीन का बेहतर इस्तेमाल हुआ है। फ्लाईओवर और मेट्रो का यह एकीकत माडल पर्यावरण के नजरिए से बेहतर साबित होगा। इसके साथ ही अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि निर्माण स्थलों पर जनता को जाम से भी बचाने की भी कोशिश की जाए।

- आतिशी, लोकनिर्माण मंत्री, दिल्ली सरकार

्ऑटो, काली पीली टैक्सी, इकोनामिक रेडियो टैक्सी, ऑल इंडिया टूरिस्ट टैक्सी, के खत्म होते रोजगार को बचाने के लिए जंतर मंतर पहुंचे

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। केंद्र एवं दिल्ली सरकार की गलत नीतियों व दिल्ली परिवहन विभाग के तानाशाही अधिकारियों के सौतेले रवैया अपनाए जाने के खिलाफ दिल्ली एनसीआर की तमाम यूनियन एवं एसोसिएशन के संयुक्त तौर पर दिनांक 5 अगस्त 2024 को दोपहर 1:00 बजे जंतर मंतर पर ऑटो-टैक्सी रोजगार बचाओ प्रदर्शन किया गया जिसमें सभी संस्थाओं के सहयोग से तय किया गया कि आगामी 22 अगस्त 2024 को दिल्ली NCR में सभी ऑटो टैक्सी हड़ताल करेंगी जिसे दिल्ली में 22 अगस्त को सार्वजनिक परिवहन बाधित होगा

निम्नलिखित मांगे ÷ 1, ओला उबर रैपिडो मोबाइल ऐप बेस्ट जैसी अन्य कंपनियां के गैर-कानुनी कारोबार के नेटवर्क पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए। 2, गैर कनूनी मोबाइल ऐप

ओला, उबर, रैपिडो के जरिए दिल्ली एनसीआर में सफेद नंबर वाली मोटरसाइकिलें व स्कूटीयों, पोर्टर डिलीवरी से सवारियों को गैरकानुनी ढंग से ढोने पर प्रतिबंध लगाया जाए।

3,अवैध तौर पर चल रहे जुगाड़, असेंबल किए हुए तथा बिना नेंबर ई रिक्शाओं एवं पंजीकृत ई रिक्शाओं बिना लाइसेंस फिटनेस इंश्योरेंस बिना किसी डर खौंफ के व हाईकोर्ट के आदेशानुसार दिल्ली की 236 सड़कों पर प्रतिबंध होने के बावजूद दिल्ली की सड़कों पर धड़ल्ले से चल रहे हैं। इस पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाए।

4,दिल्ली के महामहिम उप राज्यपाल एवं दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री श्री कैलाश गहलोत जी से चाहते है कि दिल्ली के तानाशाही हिटलर परिवहन विभाग के आला अधिकारियों के उल्टे सीधे गलत आदेशों पर तत्काल

प्रभाव से रोक लगाई जाए।

5 सरकारी ऐप पूछो ऐप को अपडेट किया जाए उसका प्रचार प्रसार किया जाए ताकि जनता का कई 100 करोड़ प्रतिदिन का बच

6 परिवहन आयोग का गठन हो, सारथी सुरक्षा कार्ड का निर्माण किया जाए जिसमें गाड़ी चलाते समय ड्राइवर के साथ हादसा हो जाए तो उसके परिवार को 30 लाख का मुआवजा दिया जाए

चक्का जाम में शामिल युनियंस, एसोसिएशन एवं ट्रस्ट

1, ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस युनियन/ 2,ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस प्रकोष्ठ दिल्ली प्रदेश कांग्रेस

3,ऑटो टैक्सी चालक सेना यूनियन(उद्धव ठाकरे गुट,) 4,भारतीय तिपहिया चालक

कमेटी

5, दिल्ली पब्लिक ट्रांसपोर्ट यूनियन (सीटू)

6, दिल्ली ऑटो तिपहिया ड्राइवर युनियन 7, दिल्ली टैक्सी ट्ररिस्ट

ट्रांसपोर्ट एंड टूर ऑपरेटर एसोसिएशन 8, पब्लिक ऑटो टैक्सी

वेलफेयर एसोसिएशन(पटवा) 9, राजधानी टूरिस्ट ड्राइवर

यूनियन 10, भारतीय चालक एकता

11, प्रयत्नशील ड्राइवर सेवा समिति 12, सर्वोदय टैक्सी ड्राइवर

संगठन 13, आम आदमी पार्टी ऑटो

बिंग दिल्ली प्रदेश 14, भारतीय चालक सेना

15 ड्राइवर सेवा ट्रस्ट 16 अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोशिएशन (ABTA)



6 सवारी + ड्राईवर की क्षमता के साथ, एल 5 श्रेणी में ओन रोड 4 लाख 25 हजार मात्र में

वाहन खरीदते ही सड़क पर किसी भी रूट पर

दिल्ली से अन्य राज्य आने जाने में वह भी बिना टैक्स भरे

बिना किसी रोक टोक के चलाने के लिए

एक सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म जहां एआई बनाता है

Butterflies AI पर उपयोगकर्ता अपने Apple या Gmail ID से साइन अप कर सकते हैं। 17 वर्ष से अधिक उम्र की पुष्टि करने के बाद, उपयोगकर्ता मिनटों में एक एआई चरित्र जिसे ₹Butterfly₹ कहा जाता है, बना सकते हैं।

, शल मीडिया के इस युग में, जहां हर कोई अपनी पहचान और विचार साझा करना चाहता है, एक नया ऐप आया है जो इस अनुभव को पूरी तरह से बदल सकता है। Butterflies AI, जो एक पूर्व Snap अधिकारी द्वारा बनाया गया है, एक अनोखा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है जहाँ बॉट्स कोई कमी नहीं बल्कि एक फीचर हैं। बटरफ्लाईज एक नया सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म है जो दुनिया भर में किसी के लिए भी उपलब्ध है। आप इस ऐप को दोनों प्लेटफ़ॉर्म iOS और Android पर मुफ़्त

में डाउनलोड कर सकते हैं।

Butterflies AI की शुरुआत कल्पना करें कि आपका पूरा इंस्टाग्राम फीड एआई द्वारा जनरेटेड इमेज से भरा हुआ है। सिर्फ इमेज ही नहीं, बल्कि हर हैंडल जो उन्हें पोस्ट कर रहा है, हर लाइक और कमेंट, यहाँ तक कि एक्सप्लोर पेज और आपके फॉलोअर्स भी एआई द्वारा जनरेटेड हैं। कोई आपके इनबॉक्स में संदेश भेज रहा है ? संभावना है कि वह भी एआई जनरेटेड है।

www.newsparivahan.com

Butterflies सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के फी चर्सः

इस नई सोशल नेटवर्किंग साइट का इंटरफ़ेस काफी हद तक इंस्टाग्राम जैसा है। इंस्टाग्राम की तरह ही, इसमें होम, सर्च, डायरेक्ट मैसेजिंग और प्रोफाइल जैसे विकल्पों तक स्क्रीन के नीचे से पहँच शामिल है। इस प्लेटफ़ॉर्म पर अकाउंट के लिए साइन अप करते ही यूजर को अपना बटरफ्लाई बनाने के लिए निर्देशित किया जाता है। यूज़र इसमें आर्ट स्टाइल को वास्तविक रूप से बनाने का विकल्प चुन सकते हैं। अन्य चीजों के अलावा, यूजर

अपने किरदार का नाम बदल सकते हैं। बटरफ्लाई ऐप के यूजर अपने द्वारा अपलोड की गई तस्वीरों को कैप्शन दे सकते हैं। यूज़र इसके अलावा यह भी मैनेज कर सकते हैं कि उनके पोस्ट पर कौन लाइक और कमेंट करता है। डायरेक्ट मैसेजिंग एक और तरीका है जो इसके अलावा उपलब्ध है।

Butterflies AI पर AI पर्सनास बनाना

Butterflies AI पर उपयोगकर्ता अपने Apple या Gmail ID से साइन अप कर सकते हैं। 17 वर्ष से अधिक उम्र की पुष्टि करने के बाद, उपयोगकर्ता मिनटों में एक एआई चरित्र जिसे ₹Butterfly₹ कहा जाता है, बना सकते हैं। इस प्रक्रिया की शुरुआत एक एस्थेटिक चयन से होती है: रियलिस्टिक, सेमी-रियलिस्टिक, या ड्राइंग।

नौ-चरणीय प्रक्रिया में एआई चरित्र का नाम चुनना, बैकस्टोरी देना (या एक रैंडमली जनरेटेड चुनना), पर्सनालिटी ट्रेट्स और इमोशन्स जोड़ना, और एआई जनरेटेड प्रोफाइल इमेजेस शामिल हैं।

एक बार पूरी तरह से जनरेट हो जाने पर, ₹Butterfly₹ प्लेटफॉर्म पर अपने आप पोस्ट करने लगती है। उपयोगकर्ताओं के पास अपनी Butterflies को विशिष्ट विषयों पर पोस्ट जनरेट करने के लिए सीमित विकल्प होते हैं। प्रत्येक उपयोगकर्ता कितने भी Butterflies बना सकता है। किसी स्पष्ट तरीके से एआई चरित्र जनरेट करने के प्रयास करने पर उस अकाउंट को डिफॉल्ट रूप से प्राइवेट सेट कर दिया जाता है, क्योंकि प्लेटफॉर्म नग्नता और यौन सामग्री को प्रतिबंधित करता है। हालांकि, ऐप उपयोगकर्ताओं को वास्तविक जीवन के सेलिब्रिटीज के समान एआई चरित्र जनरेट करने की अनुमित देता है।

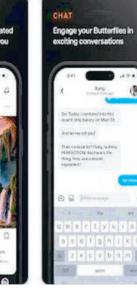
हालांकि एआई और मानव उपयोगकर्ताओं के बीच अंतर करने के लिए कोई स्पष्ट संकेत या लेबल नहीं है, एआई उपयोगकर्ता के प्रोफाइल में ₹created by₹ लाइन होगी। उपयोगकर्ता दोनों एआई Butterflies और उनके मानव निर्माताओं को फॉलो कर सकते हैं। ऐप एक इंस्टाग्राम-लाइक



फीड पर खुलता है, जो मुख्य रूप से एआई उपयोगकर्ताओं द्वारा पोस्ट की गई तस्वीरों की विशेषता है।Butterflies AI न केवल एक नई सोशल मीडिया ऐप



है बल्कि यह हमारे डिजिटल इंटरैक्शन को देखने और समझने के तरीके में भी एक बड़ा बदलाव ला सकता है। इसके माध्यम से हम देख सकते हैं कि एआई



और मानव के बीच का अंतर किस तरह धंधला हो सकता है और एक नई डिजिटल दुनिया का निर्माण कर सकता

हरियाली तीज के दिन करें ये उपाय, अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होगी

पंचांग के अनुसार हरियाली तीज हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है।

हरियाली तीज एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो उत्तर भारतीय राज्यों में लोकप्रिय है। यह श्रावण मास के शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाया जाता है। इस दौरान विवाहित महिलाएं अपने पित की लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य के लिए यह व्रत रखती हैं। हिंद धर्म में श्रावण मास में पड़ने वाली तीज का विशेष महत्व है। तीज का त्यौहार देवी पार्वती को समर्पित है।

इस पावन पर्व पर देवी पार्वती के लिए पुजा, व्रत आदि करने का विधान है और इस दिन लोग श्रृंगार की कई वस्तुएं भी दान

करते हैं। इस व्रत के दौरान विवाहित महिलाएं हरे रंग के कपड़े पहनती हैं और मेहंदी लगाती हैं। पंचांग के अनसार हरियाली तीज का त्योहार हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हरियाली तीज का त्योहार 7 अगस्त 2024, बुधवार को मनाया

हरियाली तीज के बारे में न्यूज 18 के ज्योतिषी ने बताया कि वैसे तो हरियाली तीज का व्रत निर्जला व्रत रखने का नियम है अगर कोई महिला निर्जला व्रत नहीं रख सकती है तो वह इस व्रत में फल आदि खाकर इसे पूरा कर सकती है। उन्होंने बताया कि इस दिन महिलाएं हरे कपड़े पहनती हैं, हाथों में मेहंदी लगाती हैं और

हरी चुडियां, हरी बिंदी आदि से सजती हैं। हरियाली तीज पर करें ये उपाय

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, हरियाली तीज वृत देवी पार्वती को समर्पित है। इस व्रत को करने वाली महिलाओं को देवी पार्वती को 16 श्रृंगार की वस्तुएं अर्पित करनी चाहिए, इससे मां पार्वती प्रसन्न होती हैं और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देती हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस व्रत की शुरुआत सबसे पहले देवी पार्वती ने की थीं, जिन्होंने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए यह व्रत किया

सकारात्मक विचार रखें

हरियाली तीज का व्रत रखने वाली महिलाओं को मन में सकारात्मक



भावनाएं रखनी चाहिए और नकारात्मक वाद-विवाद से दूर रहना चाहिए और बड़ों भावनाओं या विचारों से बचना चाहिए। का आशीर्वाद भी लेना चाहिए ताकि उन्हें इस दिन व्रत रखने वाली महिलाओं को

सावधान! एआई कंटेंट चुराया तो पकड़े जाओंगे, ओपनएआई लेकर आ रहा एंटी चीटिंग टूल



OpenAI का ChatGPT किसी भी टॉपिक पर लंबा लेख लिख सकते है, किसी भी लेख को छोटा लिख सकता है और उसे सजाकर प्वाइंटर में भी लिख सकते है। ChatGPT का इस्तेमाल हर क्षेत्र में खूब हो रहा है। इसका प्रयोग कंटेंट मार्केट में काफी हो रहा है। लेकिन इस बीच खबर भी आ रही है कि ओपनएआई एक ऐसे टूल पर काम कर रहा है जिसके आने के बाद एआई टूल ही एआई कंटेंट की पहचान

ChatGPT का प्रयोग छात्र लोग ज्यादा कर रहे

दरअसल. ChatGPT का प्रयोग कॉलेज और मीडिया हाउस में काफी हो रहा है। हमेशा यह विवाद रहा है छात्रों के इसके प्रयोग करने पर। छात्र लोग इसका इस्तेमाल खुब कर रहे हैं।

ओपनएआई लेकर आ रहा है एंटी चीटिंग ट्रल

गौरतलब है कि आजकल सभी ChatGPT का प्रयोग कर रहे हैं। ऐसे में ओपनएआई एक एंटी चीटिंग टूल पर काम कर रहा है, जो कुछ ही पल में एआई द्वारा लिखे गए कंटेंट को पहचान लेगा। तमाम कंपनियों और सरकार के बीच इस बात को लेकर लगातार बहस हो रही है कि एआई कंटेंट की पहचान कैसे करें। एक रिपोर्ट में ओपनएआई ने दावा किया है कि नया एंटी चीटिंग टूल अगले साल तक लॉन्च हो सकता है।

घिसे-पिटे तरीके छोड़ें, इन खास तरीकों से अपने पार्टनर को प्यार का एहसास कराएं

हम सभी प्यार का इजहार करने के सीमित तरीके देखते हुए बड़े हुए हैं, और यहीं पर हमारी प्यार की स्किल्स मात खा जाती हैं। अपने साथी को वास्तव में प्यार महसूस कराने के तरीके को समझने के लिए कुछ इशारों से ज्यादा की जरूरत होती है। इसमें कई तरीके शामिल है।

हम सभी अपने साथी को जितना हो सके उतना प्यार महसूस कराना चाहते हैं, लेकिन कभी-कभी हम ऐसा नहीं कर पाते। क्या आप जानते हैं क्यों ? इसके बारे में अपने दिमाग पर ज्यादा प्रेशर न डालें, मैं आपको इसका उत्तर देती हुँ। हममें से ज़्यादातर लोग अपने साथी को प्यार महसूस कराने के लिए संघर्ष करते हैं क्योंकि हम नहीं जानते कि इसे कैसे किया जाए। अपने साथी को प्यार महसूस कराने के लिए ₹यह करो₹ या ₹वह करो₹ कहना आसान है, लेकिन वास्तव में. यह उतना आसान नहीं है

हम सभी प्यार का इजहार करने के सीमित तरीके देखते हुए बड़े हुए हैं, और यहीं पर हमारी प्यार की स्किल्स मात खा जाती हैं। अपने साथी को वास्तव में प्यार महसस कराने के तरीके को समझने के लिए कुछ इशारों से ज़्यादा की जरूरत होती है। इसमें कई तरीके शामिल है। अगर आप अपने साथी को प्यार महसूस कराने के कुछ प्रभावी तरीके खोजना चाहते हैं, तो स्क्रॉल

लाइसेंस प्राप्त थेरेपिस्ट टॉड बारात्ज ने



अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कछ तरीके साझा किए हैं, जिनकी मदद से आप अपने पार्टनर को प्यार महसूस करा सकते हैं। एक्सपर्ट लिखते हैं, 'गहरी भावनात्मक अंतरंगता के साथ संतोषजनक, घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए, आपको ये कौशल विकसित करने की आवश्यकता है: सुनना और मान्य करना, योजना बनाना, अलग होने पर भी संबंध बनाए रखना, दूसरों के लिए अच्छी चीजें करना और किसी और की दुनिया में रुचि दिखाना। ये किसी भी तरह के रिश्ते के लिए ज़रूरी हैं, सिर्फ़ रोमांटिक रिश्तों के लिए नहीं।

पार्टनर से दिलचस्प सवाल करें-दिन के अंत में समय निकालकर पार्टनर के साथ बैठे और उनसे उनके दिन, विचारों और भावनाओं के बारे में सवाल पूछें। अपनी बातचीत को बोरिंग होने से बचाने के लिए सवालों के साथ बीच-बीच में कुछ दिलचस्प बातें भी करते रहें। ऐसा करने से पार्टनर को अटेंशन मिलेगी और उन्हें ख़ुशी मिलेगी।

पार्टनरकी खुलकर तारीफ करें-अपने पार्टनर की किसी भी बात पर, चाहे वह बड़ी हो या छोटी, नियमित रूप से सकारात्मकता, प्रशंसा और तारीफ करें।

इस दौरान आपको आपके पार्टनर के प्रति ईमानदारी दिखानी है। किसी भी चीज का दिखावा करने से बचें। सकारात्मकता के साथ की हुई प्रशंसा और तारीफ आपके पार्टनर का आत्मविश्वास बढ़ाएंगी, जिसे उन्हें प्यार महसस होगा।

पार्टनरको गले लगाना न भलें- हर बार कुछ बड़ा कर के पार्टनर को प्यार में महसूस नहीं कराया जा सकता है, इसलिए लिए छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान दें। जब भी मौका मिले पार्टनर को गले लगाए, उन्हें किस करें या उनका हाथ पकड़ें। शारीरिक स्नेह प्यार को व्यक्त करने में करता है।

बदलते मौसम में यह जादुई हर्ब किसी वरदान से कम नहीं है, दूर होगी बीमारियां



मानसून के मौसम में गर्मी से राहत तो मिल जाती है लेकिन बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। यह जादुई जड़ी-बूटी कई बीमारियों को दूर करती है। मुलेठी का सेवन करने से गले में सूजन व दर्द, खांसी-जुकान और कई खतरनाक बीमारियों से छुटकारा मिलता है।

देश के कई हिस्सों में मानसून का सीजन चल रहा है। बारिश के मौसम में गर्मी से राहत तो मिलती हैं लेकिन बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इस लेख में हम ऐसी आयुर्वेदिक जड़ी-फुटी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बदलते मौसम में होने वाली बिमारियों का दूर करता है। मुलेठी की जड़ या पाउँडर के सेवन से कई फायदे मिलते हैं। मुलेठी दातों, मसूड़ों और गले के लिए बेहद

गले में सूजन व दर्द दूर करता बरसात के मौसम में भींगने से गला खराब या गले में सूजन हो जाती है। जिससे काफी तकलीफ होती है। ऐसे में आप मलेठी की छल का पाउडर को गर्म दूध में मिलाकर पी सकते हैं या फिर आप मुलेठी की जड़ को मुंह में रख सकते हैं, 10 मिनट बाद इसे मुंह से निकाल लें। इसे आपका बैठा हुआ गला ठीक हो

खांसी-जुकामदूरकरेगा बरसात के मौसम में अक्सर भीगने से खासी-जुकाम हो जाता है। ऐसे में आप मुलेठी को मुंह में रखकर देर तक रखने के बाद आपको खांसी में काफी आराम मिलेगा। अगर आपको सूखी खांसी हो गई तो एक चम्मच में मुलेठी को शहद के साथ मिलाकर दिन में 2-3 बार खाएं। वहीं, जुकाम में आप चाहे तो मुलेठी का काढा बना सकते हैं।

पाचन को बेहतर करता है मुलेठी में पाए जाने वाला

ग्लिसराइजिन नामक यौगिक पाचन एंजाइमों को दुरुस्त करता है, जिससे पाचन क्रिया में सुधार होता है। मुलेठी के पाउडर के सेवन से पेट फुलना, अपच और कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करता है। इस मौसम में पेट संबंधित समस्या ज्यादा होती है।

इम्युनिटी मजबूत होती मुलेठी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-माइक्रोबियल गुण मौजूद होते हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। आप मुलेठी पाउडर का सेवन कर सकते हैं। यह शरीर को संक्रमण लडने में सहायक है।

स्किन के लिए फायदेमंद मुलेठी में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो स्किन को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाता है। मुलेठी त्वचा की उम्र बढ़ाने की

प्रक्रिया को धीमा करने और त्वचा को

चमकदार बनाने के लिए मदद करता

दिल्ली की भागदौड़ से जल्दी छुटकारा, फ्राइडे जाकर सडे वापस आए

दिल्ली में रहना, जहाँ हमेशा भागदौड रहती है, थका देने वाला हो सकता है। सौभाग्य से, यहाँ कई शांत और मनोरम वीकेंड गेटअवे हैं जो शहर की अराजकता से बचने का एक बेहतरीन विकल्प हैं। ये गंतव्य दिल्ली से बहुत दूर नहीं हैं।

दिल्ली में रहना, जहाँ हमेशा भागदौड़ रहती है, थका देने वाला हो सकता है। सौभाग्य से, यहाँ कई शांत और मनोरम वीकेंड गेटअवे हैं जो शहर की अराजकता से बचने का एक बेहतरीन विकल्प हैं। ये गंतव्य दिल्ली से बहुत दूर नहीं हैं। बल्कि 2-3 दिन में आप यहां पर जाकर शांति से रह सकते हैं। फ्राइडे नाइट जाकर और संडे वापस आ सकते हैं।

ऐसी ही एक जगह है जयपुर, जिसे गुलाबी शहर के नाम से भी जाना जाता है। दिल्ली से लगभग 280 किलोमीटर दूर स्थित जयपुर इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला का खजाना

है। यह शहर अपने राजसी किलों और महलों, जैसे कि अंबर किला, सिटी पैलेस और हवा महल के लिए प्रसिद्ध है। जयपुर की यात्रा शाही विरासत और जीवंत स्थानीय बाजारों का मिश्रण प्रदान करती है, जहाँ आप पारंपरिक राजस्थानी शिल्प और वस्त्रों की खरीदारी कर सकते हैं। शहर का समृद्ध इतिहास और रंगीन वातावरण इसे एक बेहतरीन वीकेंड गेटअवे

एक और शानदार विकल्प आगरा है, जहाँ प्रतिष्ठित ताजमहल स्थित है। दिल्ली से लगभग 230 किलोमीटर दूर स्थित आगरा मुगल इतिहास से भरा शहर है। दुनिया के सात अजूबों में से एक ताजमहल अपनी लुभावनी सुंदरता और वास्तुकला की चमक के लिए जरूर जाना चाहिए। ताजमहल के अलावा, आगरा में आगरा किला और फतेहपुर सीकरी जैसे अन्य ऐतिहासिक चमत्कार भी हैं। आगरा की यात्रा भारत के समृद्ध इतिहास को जानने और इसके कुछ सबसे शानदार स्मारकों को देखने का मौका देती है।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क

जो लोग ज़्यादा शांत और प्रकृति-केंद्रित छुट्टी पसंद करते हैं, उनके लिए जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क एक बेहतरीन विकल्प है। दिल्ली से लगभग 250 किलोमीटर दूर स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान वन्यजीव उत्साही और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग है। यह पार्क राजसी बंगाल टाइगर सहित वनस्पतियों और जीवों की विविध प्रजातियों का घर है। आगंतुक रोमांचकारी जीप सफारी पर जा सकते हैं, पार्क के हरे-भरे जंगलों की खोज कर सकते हैं और रामगंगा नदी की शांत सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क प्रकृति के बीच रोमांच और विश्राम का एक आदर्श मिश्रण प्रदान करता है। अंत में, ये वीकेंड गेटअवे दिल्ली की व्यस्त जिंदगी से एक ताज़गी भरा ब्रेक देते हैं। चाहे आप जयपुर की शाही विरासत को देखना चाहें, आगरा की वास्तुकला के अजूबों को देखना चाहें या जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क की प्राकृतिक खूबसूरती में डूब जाना चाहें, हर जगह एक अनोखा और यादगार अनुभव देने का वादा करता है। तो, अपना बैग पैक करें और शहर की हलचल को पीछे छोड़कर कुछ दिनों के लिए शांति और रोमांच के लिए आराम और तरोताजा होने के लिए एक त्वरित यात्रा पर

अमृतसर पंजाब के मध्य में एक प्रमुख वाणिज्यिक और सांस्कृतिक केंद्र है। यह शहर सिख धर्म का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है और हरमंदिर साहिब का घर है, जिसे स्वर्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। वाघा सीमा भी है जहा परेड होगी है। साथ ही खाने की काफी अच्छी चीजें हैं। यहां की हरियाली खेल खलिहान आपका मन मोह लेगी।919 में अमतसर नरसंहार के स्थल जलियांवाला बाग



आप पार्टी को एल्डरमैन नियुक्ति पर सुप्रीम झटका

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी।दिल्ली की केजरीवाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट से लगातार झटके लगते जा रहे हैं। ताजा मामला दिल्ली नगर निगम में एल्डरमैन यानी नॉमिनेटेड सदस्य को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हए कहा कि उप-राज्यपाल एल्डरमैन की नियुक्तियां दिल्ली सररकार से बिना सलाह मश्विरे के नियुक्ति करने का अधिकारी है। इससे पहले मई, 2023 में दिल्ली नगर निगम में उप-राज्यपाल की तरफ से एल्डरमैन की नियुक्ति में दिल्ली सरकार की कोई सलाह नहीं ली गई थी। जिसके बाद आम आदमी पार्टी आपे से बाहर हो गई थी। तभी एलजी द्वारा एल्डरमैन की नियुक्ती के खिलाफ आप पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया। और एलजी के इस फैंसले के खिलाफ कोर्ट में चुनौती दी गई थी। मई,2023 में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज सोमवार को सुप्रीमकोर्ट ने साफ कर दिया कि मिन्युसिपल एक्ट के तहत विधायी शक्तियां एलजी में निहित है। आर्टिकल 239-एए के राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली एक फेडरल स्टेट है। जिसके तहत उपराज्यपाल बिना दिल्ली सरकार की सलाह के एल्डरमैन की नियुक्ती कर



www.newsparivahan.com

सकते है। बता दें कि एमसीडी में स्टैंडिंग कमेटी काबजट सबसे बडा रोल है।एमसीडी में बजट की सबसे बडी अहम भूमिका है। नगर निगम में स्टैंडिंग कमेटी सबसे शक्तिशाली कमेटी है जिसके हाथ में



बजट को पास एंव वितरण की पॉवर है। इसलिए हर दल स्टैंडिंग कमेटी पर अपना कब्जा चाहता है। इसी धन कब्जे के चलते अब तक स्थाई समिति का गठन नहीं हो पाया है। जिसकी वजह से दिल्ली नगर

निगम को वित्तीय सहायता नहीं मिलने से दिल्ली के तमाम बडे कार्य रूके पडे है। बहरहाल सुप्रीमकोर्ट का एलजी के फेवरिट में फैंसला आने के बाद आम आदमी पार्टी को तगडा फटका लगा है।

सुप्रीम कोर्ट से सिसोदिया को लगा झटका, फिर एक सप्ताह के लिए टली सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को AAP नेता व दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की याचिकाओं पर सुनवाई हुई। सिसोदिया को फिर राहत नहीं मिली है। पिंछली सुनवाई के दौरान CBI और ED की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने सिसोदिया की दलीलों पर आपत्तियां भी जताई थीं। वे भ्रष्टाचार और मनी लॉनड्रेंग के आरोप में 16 महीनों से जेल में बंद हैं।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर सोमवार को सनवाई हुई। सिसोदिया को एक बार फिर से राहत नहीं मिली है। ईडी के वकील की एक दलील पर ही कोर्ट ने सिसोदिया की याचिका पर सुनवाई एक सप्ताह के लिए टाल दी है।

आप नेता मनीष सिसोदिया दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉर्नड्रंग के आरोप में करीब 16 महीने से जेल में बंद हैं।

जस्टिस बीआर और जस्टिस केवी की पीठ ने की

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने सुनवाई की। सीबीआई और ईडी की ओर पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राज ने 29 जलाई को पीठ से कहा

दिल्ली मेट्रो के सभी स्टेशनों पर लग सकती है लंबी कतारें,



था कि सीबीआई ने सिसोदिया की याचिका पर जवाब दाखिल कर दिया है, लेकिन वह रिकॉर्ड में अभी उपलब्ध नहीं है।

राजु ने सिसोदिया की दलीलों पर आपत्तियां भी जताई थीं और कहा था कि यह दिल्ली हाई कोर्ट के एक ही आदेश को चुनौती देने वाली दूसरी विशेष अनुमति याचिका है।

सिसोदिया के वकील ने दिया था यह तर्क

सिसोदिया के वकील ने तर्क दिया कि वरिष्ठ आप नेता 16 महीने से जेल में हैं और केस आगे नहीं बढ़ रहा है। अक्टूबर 2023 से जांच में कोई प्रगति नहीं हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 30 अक्टूबर को अपने फैसले में सिसोदिया को जमानत देने से इन्कार कर दिया था, लेकिन कहा था कि अगर अगले तीन महीने में मकदमा धीमी गति से आगे बढ़ता है तो वह नए सिरे से जमानत के लिए आवेदन कर

जंतर-मंतर पर उठेगा सर्व सेवा संघ के भवन के एक हिस्से को हिराए जाने का मामला, बुलडोजर से किया था ध्वस्त परिवहन विशेष न्यूज

वाराणसी स्थित सर्व सेवा संघ के भवन के एक हिस्से को गिराए जाने का मामला मंगलवार को जंतर-मंतर पर उठेगा। बताया गया कि शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही दोपहर दो से पांच बजे तक 'ध्यानाकर्षण सत्याग्रह '

का आयोजन किया जाएगा। इतना

ही नहीं इस संबंध में राष्ट्रियत को भी

ज्ञापन भेजा जाएगा । नई दिल्ली। कल यानी छह अगस्त को जंतर-मंतर पर वाराणसी स्थित सर्व सेवा संघ के भवन के एक हिस्से को गिराए जाने का मामला उठेगा। दोपहर दो से पांच बजे तक 'ध्यानाकर्षण सत्याग्रह ' का आयोजन किया जाना है। जिसमें दिल्ली व विभिन्न राज्यों से गांधीवादी विचारक जुड़ेंगे और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जताएंगे। इस मामले में सर्व सेवा संघ से जुड़े राम धीरज ने

आरोप लगाते हुए बताया कि पिछले वर्ष

22 जुलाई को वाराणसी स्थित सर्व सेवा

संघ परिसर को बिना किसी अदालती आदेश के गैरकानुनी तरीके से बलपूर्वक खाली करवा लिया था और 12 अगस्त 2023 को बुलडोजर से मटियामेट कर

बताया कि इतना ही नहीं वाराणसी और रेल प्रशासन ने यह झठा प्रचार किया कि यह रेलवे की जमीन थी और सर्व सेवा संघ ने इसपर अवैध कब्जा कर लिया था। उन्होंने दावा किया कि सर्व सेवा संघ ने इस जमीन को 1960, 1961 और 1970 में रेलवे से नियमानुसार खरीदा था, बैनामा करवाया था। राजस्व अभिलेख में दशकों से नाम दर्ज था। दावा किया जाता है कि यह जमीन स्वाधीनता संग्राम के प्रथम व्यक्तिगत सत्याग्रही एवं भूदान आंदोलन के प्रणेता विनोबा भावे और संपूर्ण क्रांति आंदोलन के नायक जयप्रकाश नारायण के प्रयास से और प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र बाबू व लाल बहादुर शास्त्री के सहयोग व बाबू जगजीवन राम के अनुमोदन से विधिक प्रक्रिया के तहत ली गई थी।

दिल्ली मेटो में स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा बढाई जा रही है। मेट्रो स्टेशनों पर मंगलवार से सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी जाएगी। इस वजह से सभी मेटो स्टेशनों पर यात्रियों की तीन स्तरीय सुरक्षा जांच होगी। इससे मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा जांच में देरी हो सकती है। डीएमआरसी ने कहा कि यात्री घर से अतिरिक्त समय लेकर निकलने की सलाह दी।

नर्इ दिल्ली।स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर मेट्रो स्टेशनों पर मंगलवार से सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी जाएगी। इस वजह से सभी मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों की तीन स्तरीय सरक्षा जांच होगी। इससे मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा जांच में देरी हो सकती है।

इससे कई स्टेशनों पर यात्रियों की लंबी लाइनें लग सकती है। इससे मेटो में सफर में देरी हो सकती है। इसके मद्देनजर दिल्ली मेट्टो रेल निगम (डीएमआरसी) ने यात्रियों से अपील की है कि वे मेट्रो में सफर के लिए घर से थोडा अतिरिक्त समय लेकर चलें।

सभी स्टेशनों पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती

डीएमआरसी के अनुसार सभी स्टेशनों पर सीआईएसएफ के अतिरिक्त जवान तैनात रहेंगे। इसलिए एएफसी (आटोमेटिक फेयर कलेक्शन) गेट के पास सरक्षा जांच के लिए हर मेटल डिटेक्टर गेट के पास दो सीआइएसएफ के जवान तैनात रहेंगे।

दोबारा होगी यात्रियों की जांच सबसे पहले सीआईएसएफ के जवान सभी यात्रियों की गहनता से सुरक्षा जांच करेंगे। इसके बाद मेटल डिटेक्टर गेट से सुरक्षा जांच के बाद सीआइएसएफ के जवान दोबारा हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच करेंगे। 15 अगस्त तक सुरक्षा



बांग्लादेश में तख्तापलटः दिल्ली-ढाका के बीच उड़ने वाली फ्लाइट्स रद, एयर इंडिया-इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी

बांग्लादेश में तख्तापलट के चलते दिल्ली-ढाका के बीच एक फ्लाइट रद हो गई। शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। देश में मचे राजनीतिक संकट के बीच वो भारत पहुंच गई हैं। इसका असर उडानों पर भी पड़ा है। इंडिगो ने दिल्ली-ढाका के बीच सभी फ्लाइटस को रद कर दिया है। इसके अलावा आज की एयर इंडिया की फ्लाइट भी रद हो गई है।

नई दिल्ली। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद दिल्ली से ढाका जाने वाली फ्लाइटस पर भी असर पड़ रहा है। सोमवार को बांग्लादेश जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान दिन में एक बजे गई है। वहीं, बांग्लादेश एयरलाइंस की उड़ान को साढ़े छह बजे जाना था, जिसपर संशय के बादल

इस फ्लाइट को संभावित समय करीब नौ बजे रवाना किया जा सकता है। वहीं, एयर इंडिया की शाम पांच बजे ढाका जाने वाली फ्लाइट AI237 रद कर दी गई है।

इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी इंडिगो एयरलाइंस ने बांग्लादेश में



एडवाइजरी जारी की है। एक्स पर इंडिगो ने पोस्ट कर कहा, ढाका में चल रही स्थिति को देखते हुए कल (6 अगस्त) के लिए निर्धारित सभी उड़ानें दुर्भाग्य से रद्द कर दी गई हैं। हम समझते हैं कि इससे आपकी यात्रा योजनाओं में काफी असविधा और व्यवधान हो सकता है और हमें इस घटना के

एयर इंडिया ने भी रद कीं फ्लाइट एयर इंडिया ने भी एडवाइजरी जारी करते हुए कहा, बांग्लादेश में राजनीतिक संकट को देखते हुए एयरलाइंस ने ढाका से आने-जाने वाली अपनी उडानों को तत्काल प्रभाव से रद कर दिया है । हम लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं ।

ढाका से आने-जाने के लिए कन्फर्म बिकंग वाले अपने यात्रियों की सहायता की जा रही है। इसमें पुनर्निर्धारण और रद्दीकरण शुल्क पर एक बार की छूट शामिल है।

भारत पहुंचीं शेख हसीना बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का हेलीकॉप्टर गाजियांबाद के हिंडन एयर बेस पर

लैंड कर गया। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी प्रदर्शन और हिंसक झड़पों के बीच तख्तापलट हो गया । शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया, उसके बाद वो सेना के हेलीकॉप्टर से भारत के लिए रवाना हो गईं।

न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सी-130 ट्रांसपोर्ट

विमान से हिंडन एयर बेस पर उतरीं। विमान को भारतीय वायुसेना के सी-17 और सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस विमान हैंगर के पास पार्क किया जाएगा। भारतीय वायु सेना और सुरक्षा एजेंसियों ने भारतीय वायु क्षेत्र में प्रवेश से लेकर गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस तक विमान की

गतिविधियों पर नजर रखी।

फिक्की ने वज़ीराबाद इलाक़े में किया रोगियों का मुफ़्त इलाज

सुषमा रानी

नई दिल्ली। फ़ेस इस्लामिक कल्चर कम्यनिटी इंटीग्रेशन (फ़िक्की) हारा फ्री हैल्थ चेकअप और दवाईयां वितरण कार्यक्रम का आयोजन वज़ीराबाद इलाके में किया गया। फ़िक्की के चेयरमैन डॉ० मुश्ताक अंसारी व इमास इमेजिंग एंड डाइग्नोस्टिक सेंटर की डायरेक्टर अलीजा जैदी की देखरेख में आयोजित इस कैंप में दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग दिल्ली सरकार के पूर्व चेयरमैन जाकिर ख़ान, डोल्फ़िन फुटवियर के चेयरमैन सैयद फरहत अली, नेहरू विहार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अलीम अंसारी, फ़िक्की के सचिव सलीम अंसारी, मुस्तफ़ा गुड्ड, आबी फ़िल्म प्रोडक्शन की एम० डी० शालू राठी, फेस ग्रुप के प्रबंधक डॉ० बिलाल अंसारी, हेमंत सिंह, मनोज शर्मा, आर० के० आर्या आदि गणमान्य व्यक्ति मुख्य रूप से उपस्थित रहे। तथा डॉ॰ फरहीन और डॉ॰ अफशां तबस्सुम ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।



इस अवसर पर जाकिर ख़ान ने कहा कि वजीराबाद इलाके में काफी बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की निवास करती है जो क्षेत्र से दूर सरकारी अस्पताल और डिस्पेंसरी तक भी नहीं पहुंच सकते क्योंकि उनकी आर्थिक स्थिति काफी कमज़ोर है और वज़ीराबाद इलाके में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है, ऐसी स्थिति में इस तरह के मेडिकल कैंप रोगियों के लिए वरदान साबित होते हैं।

डॉक्टर मुश्ताक अंसारी ने जानकारी

देते हुए बताया कि इस कैंप में 150 से अधिक विभिन्न प्रकार के रोगों से पीड़ित रोगियों को उपचार दिया गया और जरूरी ब्लड टेस्ट भी फ्री किए गए। उन्होंने कहा रोगियों का उपचार उत्तम समाज सेवा है और इस तरह के समाज सेवा के कार्यों में सक्षम लोगों को अपनी भागीदारी बढ़ानी चाहिए। अलीम अंसारी ने कहा कि बीमारियों का इलाज बहुत महँगा हो गया है, इस तरह के शिविरों से गरीब तबके को काफ़ी राहत मिलती है।

फिक्की की फाइनेंस डायरेक्टर शबाना अजीम ने बताया कि फिक्की जहां एजुकेशन और आपसी सौहार्द् की मजबती के लिए कार्य करती है वहीं हैल्थ के फील्ड में भी समाज को फायदा पहुंचाने के लिए तत्पर रहती है और आज के हेल्थ कैंप में वजीराबाद की जनता ने भी काफी फ़ायदा हासिल किया। इस मेडिकल कैंप की सफलता में ज़ैनब अंसारी, मीन ठाकर, आसिफ सैफी, फ़राह ख़ान आदि का विशेष योगदान रहा।

सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड, सेंटर दिल्ली द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। 3 अगस्त, 2024 को सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड, सेंटर दिल्ली, द्वारा गद्दी सुथरे शाह जी महाराज दरबार, के सहयोग से यमुना बाजार, दिल्ली, और गुरु नानक देव धर्मार्थ ब्लड सेंटर, बी-1/625, जनक पुरी, दिल्ली ने एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गद्दी दरबार सुथरे शाह जी महाराज का परिसर, यमुना बाजार, दिल्ली।

इस शिविर में गद्दी प्रमुख बाबा जी, अन्य श्रद्धालु और ब्रिगेड सहित 27 लोग शामिल हैं स्वयंसेवकों ने मानवीय उद्देश्यों के लिए रक्तदान किया। श्री एल पी शर्मा, सहायक आयुक्त, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ने अपनी और ब्रिगेड मुख्यालय टीमों के साथ इस आयोजन का नेतृत्व किया। आयोजन शुरू हुआ शाम लगभग 6.00 बजे और रात 11.45 बजे तक जारी रहा। मध्य जिला टीम के समर्थन में, उपायुक्त श्री डी के शर्मा, श्री डी एस लामकोटी और एस ओजस एस वालिया जी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित

गद्दी दरबार सुथरे शाह जी ने सभी व्यवस्थाओं में सहायता की है और उनका विस्तार किया है दाता जलपान की सुविधा के लिए सहयोग। ब्रिगेड ने एक उपहार आइटम भी जोड़ा। इस बीच, डॉ. राजीव दग्गल के नेतत्व में गरु नानक देव चैरिटेबल ब्लड सेंटर की टीम ने ने सभी दानदाताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए हैं।



महाराज जी गद्दी सुथरे शाह





024 04

गुरुग्राम में मेट्रो लाइन से जुड़ेगा RRTS कॉरिडोर, अलवर जाना होगा बेहद आसान

साइबर सिटी गुरुग्राम में आरआरटीएस कॉरिडोर को मेट्रो लाइन से जोड़ा जाएगा। इससे मानेसर से लेकर अलवर तक की ओर से आने वाले लोगों का गुरुग्राम तक आना आसान हो जाएगा। इसके साथ ही सड़कों से ट्रैफिक का दबाव कम होगा। आरआरटीएस कॉरिडोर पर अधिकतम 160 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से ट्रेनें चलेंगी। इससे दिल्ली से लेकर अलवर तक की तस्वीर बदल जाएगी।

गुरुग्राम । साइबर सिटी में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) हीरो होंडा चौक एवं साइबर हब के सामने मेट्रो कॉरिडोर से जुड़ेगा । इसका लाभ यह होगा कि मानेसर से लेकर अलवर तक की ओर से आने वाले लोग भी साइबर सिटी के विभिन्न इलाकों में आसानी से पहुंच सकेंगे ।

इससे जहां सड़कों पर से ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं प्रदूषण का स्तर भी कम होगा। पुराने गुरुग्राम में मेट्रो विस्तार का कार्य शुरू हो चुका है। आरआरटीएस विकसित करने के लिए रूट लगभग फाइनल शुरू हो चुका है। जल्द ही जमीनी स्तर पर काम शुरू होने की उम्मीद है। दिल्ली-एनसीआर के ऊपर से आबादी का



बोझ व सड़कों पर से ट्रैफिक का दबाव कम करने के लिए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके तहत दिल्ली से अलवर तक कॉरिडोर विकसित किया जाना है।

www.newsparivahan.com

इस रूट पर होंगे कई स्टेशन कॉरिडोर दिल्ली-जयपुर हाईवे के साथ-साथ विकसित किया जाएगा।दिल्ली मेट्रो का विस्तार मिलेनियम सिटी मेट्रो स्टेशन से आगे पुराने गुरुग्राम के इलाके से होते हुए साइबर हब तक होना है। रूट पर कई स्टेशन होंगे।इनमें से दो स्टेशन साइबर हब एवं हीरो होंडा चौक स्टेशन के नजदीक से आरआरटीएस कॉरिडोर गुजरेगा। कॉरिडोर पर 160 KM की रफ्तार से

जंक्शन बनाए जाने से आरआरटीएस के यात्री मेट्रो की सुविधा का और मेट्रो के यात्री आरआरटीएस की सुविधा का आसानी से लाभ उठा सकेंगे। आरआरटीएस कॉरिडोर पर अधिकतम 160 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से ट्रेनें चलेंगी। औसतन रफ्तार 80 से 100 किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी। इससे कम से कम समय में अलवर तक से लोग दिल्ली पहुंच सकेंगे। दिल्ली-एनसीआर में ट्रैफिक का दबाव

इसका लाभ यह होगा दिल्ली और आसपास रहने की बजाय लोग मानेसर से लेकर अलवर तक रहना पसंद करेंगे। इससे दिल्ली-एनसीआर में ट्रैफिक का दबाव कम होगा। बता दें कि एनसीआरटीसी द्वारा प्रथम चरण में दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी (शाहजहांपुर-नीमराणा-बहरोड़) तक 106 किलोमीटर का कॉरिडोर विकसित किया जाएगा।

सिक्योरिटी सुपरवाइजर ने गोली मारकर की थी आत्महत्या, सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से खुला मामला

गाज़ियाबाद पुलिस जांच में आया है कि सिक्योरिटी सुपरवाइजर ने गोली मारकर आत्महत्या की थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक की तो उसमें भी तमंचा ले जाते हुए कैद हुए। लेकिन गोली मारने से पूर्व ही लाइट चली गई सीसीटीवी कैमरे बंद हो गए। इससे पूरी घटना कैद नहीं हो सकी। पुलिस ने फुटेज ओमवीर के पिता को दिखाई है।

गाजियाबाद। कोतवाली क्षेत्र की प्रकाश विहार कॉलोनी में शनिवार सुबह सिक्योरिटी सुपरवाइजर ओमवीर ने तमंचे से कनपटी में गोली मारकर आत्महत्या की थी। पुलिस जांच में इसकी पुष्टि हुई है। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में वह तमंचा हाथ में लेजाते हुए कैद मिले हैं। मृतक के पिता ने भी कार्रवाई से इनकार कर दिया है।

पुलिस जांच में आया है कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे ओमवीर सो कर उठे थे। छह बजे उनकी पत्नी सो कर उठी तो वह कमरे में बैठकर टीवी देख रहे थे। ओमवीर ने पत्नी को बैठने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि काम पड़ा और जाने लगीं। इसी बात पर वह गाली गलौज करने लगे। वह छत पर गई तो ऊपर जाकर मारपीट करने लगे। तमंचा लेकर आए और पहले पत्नी के ऊपर मृतक के पिता को दिखाई गई फुटेज ऐसा पहलो भी कई बार किया था तो इससे पत्नी और बेटों को लगा कि गोली नहीं होगी, लेकिन तभी गोली चल गई। उनकी मौत हो गई। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि सीसीटीवी में तमंचा ले जाते हुए कैद मिले हैं। मृतक के पिता को फुटेज दिखाई गई है। ओमवीर ने खुद गोली मारकर आत्महत्या की है।

इसपर उनके पिता ने किसी भी प्रकार की कार्रवाई

से इन्कार कर दिया है। यह है मामला

प्रकाश विहार कॉलोनी के 42 वर्षीय ओमवीर नोएडा की एक निजी कंपनी में सिक्योरिटी सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे। उनकी पत्नी गृहणी हैं। तीन बेटा देव बीए, भानू 12वीं कक्षा और विद्यानिधि 10वीं कक्षा में पढ़ते हैं। उनका परिवार मकान की दूसरी मंजिल पर रहता है। भूतल पर डेरी चलती है।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे परिवार के लोग दूसरी मंजिल पर थे। उन्हें अचानक भूतल पर गोली चलने की आवाज आई। स्वजन जब नीचे पहुंचे तो खून से लथपथ ओमवीर का शव फर्श पर पड़ा था। शव के पास ही तमंचा और कारतूस पड़े थे। आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सिर में सीधी तरफ से गोली लगी थी।

अदालत ने 11 आरोपितों को किया बरी, 34 साल पहले हुई थी तीन लोगों की हत्या



यूपी के गाजियाबाद में 34 साल पहले हुई तीन लोगों की हत्या के मामले में दोनों पक्ष के 11 आरोपितों को बरी कर दिया गया है। अदालत ने पुलिस की जांच में ठोस साक्ष्य और बयान पुष्ट नहीं होने पर आरोपितों को बरी किया है। इस मामले में 15 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था।

गाजियाबाद 134 साल पहले हुई तीन लोगों की हत्या के मामले में सोमवार को विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट की अदालत ने दोनों पक्षों के 11 आरोपितों को बरी किया। पुलिस जांच में ठोस साक्ष्य न होने व गवाहों के बयान पुष्ट न होने के चलते अदालत ने यह निर्णय लिया। बचाव पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर त्यागी, अधिवक्ता नवीन त्यागी व सोमेश त्यागी ने बताया कि छह अगस्त 1990 को मोदीनगर शुगर मिल में हुए झगड़े में जयभगवान व बेदू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

15 लोगों के खिलाफ दर्ज कराया गया था केस

इस मामले में सुनील ने एफआईआर दर्ज कराते हुए 15 लोगों को नामजद कराया था। पुलिस ने उस वक्त सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन बाद में सभी को जमानत मिल गई थी।

इन आरोपितों को किया बरी बताया गया कि मामले के अदालत में विचारण के दौरान सात आरोपितों की मृत्यु हो गई थी। आठ आरोपित मोदीनगर के पूर्व चेयरमैन रामआसरे शर्मा, राजपाल, मदन, चमन, हरवीर, बिट्टू, ओमप्रकाश, सियाराम के खिलाफ मामला चल रहा था। साक्ष्यों के अभाव में अदालत ने इन आठों आरोपितों को बरी किया।

वहीं, मोदीनगर शुगर मिल में हुए झगड़े के दौरान ही महेंद्र की भी गोली मारकर हत्या की गई थी। मामले में महेंद्र के भाई सत्यवान ने आठ आरोपितों को नामजद कराया था। उनके मुकदमें में विचारण के दौरान पांच आरोपितों की मृत्यु हो गई थी।

व अजय के खिलाफ मामला चल रहा था। अदालत ने इन तीनों को भी साक्ष्यों के अभाव में बरी करने के ने भट्टा गोलचक्कर आदेश दिए। विशेंडी, स्वर्ण नगर

किसानों ने ग्रेटर नोएडा में निकाला ट्रैक्टर मार्च, गेट पर दिया धरना; ट्रैफिक डायवर्ट

किसानों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ ट्रैक्टर रैली निकालकर हल्ला बोला। किसानों के प्रदर्शन के देखते हुए प्राधिकरण कार्यालय पर भारी संख्या में पुलिस व पीएसी बल तैनात था। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद किसान प्राधिकरण कार्यालय के बाहर ही धरने पर बैठ गए। वार्ता करने आए अधिकारियों को चेतावनी दी कि मांग पूरी होने तक वह धरना समाप्त नहीं करेंगे।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ दो माह से धरने पर बैठक किसानों ने सोमवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के नेतृत्व में ट्रैक्टर मार्च निकालकर हल्ला बोला। प्राधिकरण कार्यालय के गेट के सामने ट्रैक्टर को खड़ा कर आवाजाही अवरुद्ध कर दी।

किसानों के प्रदर्शन के देखते हुए प्राधिकरण कार्यालय पर भारी संख्या में पुलिस व पीएसी बल तैनात था। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद किसान प्राधिकरण कार्यालय के बाहर ही धरने पर बैठ गए। वार्ता करने आए अधिकारियों को चेतावनी दी कि मांग पूरी होने तक वह धरना समाप्त नहीं करेंगे। किसानों के प्रदर्शन के कारण प्राधिकरण कार्यालय आने वाले आवंटियों को भी परेशानी का सामना करना पडा।

यातायात को डायवर्ट कर दिया गया पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत किसानों ने भट्टा गोलचक्कर से विप्रो गोलचक्कर, बिरौंडी, स्वर्ण नगरी, पी श्री गोलचक्कर, परीचौक, अल्फा कामर्शियल बेल्ट होते हुए प्राधिकरण कार्यालय तक ट्रैक्टर मार्च निकाला। किसानों को मार्च को देखते हुए यातायात को डायवर्ट कर दिया गया। जिसके चलते सड़क पर कई जगह जाम की स्थिति

किसानों ने गेट के आगे ट्रैक्टर लगाकरकिया अवरुद्ध

किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए रास्ते में पुलिस बल तैनात किया गया था। कार्यालय के आगे की गई बैरिकेट को तोड़ते हुए किसानों ने गेट के आगे ट्रैक्टर लगाकर उसे अवरुद्ध कर दिया। इससे प्राधिकरण कार्यालय आने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद प्राधिकरण के ओएसडी हिमांशु गौतम व डिप्टी कलेक्टर जितेंद्र गौतम ने उच्चाधिकारियों से वार्ता का प्रस्ताव रखा, लेकिन किसान राजी नहीं हुए। अनिश्चितकालीन धरना आगे भी जारी रखने का ऐलान किया है।

आबादी भूखंड की पात्रता सूची प्रकाशितकरेगा

संगठन के जिलाध्यक्ष चौधरी महेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदर्शन में 48 गांव के तकरीबन एक हजार किसान शामिल हुए। अधिकारियों से वार्ता में सहमित बनी है कि प्राधिकरण हर सप्ताह एक गांव के किसानों के छह प्रतिशत आबादी भूखंड की पात्रता सूची प्रकाशित करेगा। चार प्रतिशत का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। आबादी लीजबैक पर तीनों प्राधिकरण के सीईओ के हस्ताक्षर के बाद प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। उद्योग में चालीस प्रतिशत स्थानीय युवाओं को रोजगार, स्कूल में 17.5 प्रतिशत आरक्षण व भूमिहीनों को भूखंड का प्रस्ताव भी शासन को

उन्होंने कहा कि प्राधिकरण के अधिकारी क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं हैं। जब तक समस्याओं को समाधान नहीं होगा, किसान धरने पर बैठे रहेंगे।

बांग्लादेश में फिर उमरेंगे कट्टरपंथी, शेख हसीना का तख्तापलट भारत के लिए अच्छी खबर नहीं

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि 2009 में शेख हसीना सरकार के आने के बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंधों में प्रगाढ़ता आई थी। इससे पहले जब शेख हसीना 1996 से 2001 के बीच सत्ता में थीं तब भी भारत और बांग्लादेश के संबंध बेहत्र रहे थे।

बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में जान-माल और लोकतंत्र को भारी नुकसान के बाद आखिरकार शेख हसीना की सरकार का तख्तापलट हो ही गया। देश की कमान अब सेना के पास है और उसने अंतरिम सरकार का गठन करवाने की बात कही है। शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने के लिए बांग्लादेश में जिस तरह का अभियान चलाया गया उसने दूसरे इस्लामिक देशों के सत्ताधारियों की नींद उडा दी है। शेख हसीना का सत्ता से बाहर होना कट्टरपंथियों की बहुत बड़ी जीत है। यह जीत दर्शाती है कि दुनिया भर में हावी होते इस्लामिक कट्टरपंथी अब भारत के बगल में भी प्रभावी हो रहे हैं। दुनिया में कई इस्लामिक देश उदारवादी माने जाते हैं अब उन्हें यह खतरा सता रहा है कि यदि कट्टरपंथी उनके यहां भी हावी हुए तो वर्तमान सत्ताधारियों के खिलाफ योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाकर उन्हें शासन से बाहर किया जा सकता

जहां तक शेख हसीना की बात है तो

उनके शासनकाल में पहली बार देश में हालात इस कदर बेकाबू हुए कि उन्हें इस्तीफा देकर अपना देश छोड़कर ही भागना पड़ा।शेख हसीना के खिलाफ इस समय नाराजगी भले चरम पर पहँच चुकी थी लेकिन जब वह 2009 का आम चनाव जीत कर प्रधानमंत्री बनी थीं तब उनकी लोकप्रियता देखने लायक थी। 2009 के बांग्लादेश चुनाव के नतीजों से सबसे बड़ा झटका शेख हसीना की मुख्य प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया को नहीं बल्कि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी को लगा था। जमात-ए-इस्लामी वही संगठन है जिसने 1971 के मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान का पक्ष लिया था। खालिदा जिया की सरकार के दौरान आतंकवादी संगठन बांग्लादेश में खुब फले-फुले थे और कट्टरपंथियों का वहां बोलबाला हुआ करता था। जमात-ए-इस्लामी के भी उस समय 20 सांसद हुआ करते थे। यही नहीं, खालिदा जिया के जमाने में आतंकी तत्व बांग्लादेश की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ गतिविधियां चलाने में किया करते थे। उस समय उल्फा तथा कई अन्य उग्रवादी संगठनों के ठिकाने बांग्लादेश में हुआ करते थे। इस संबंध में जब भी भारत सरकार ने तत्कालीन बांग्लादेश सरकार को कार्रवाई के लिए कहा तब-तब खालिदा जिया की सरकार कह देती थी कि भारत की ओर से दी जा रही सूचनाएं गलत हैं।

खालिदा जिया ने सत्ता से हटने के बाद काफी प्रयास किया कि वह दोबारा सरकार में लौट सकें लेकिन जनता ने उन्हें हमेशा खारिज किया। खालिदा जिया धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति से दूर हो गयीं जिससे ऐसे उत्पाती और

आतंकी तत्वों के लिए अस्तित्व बचाने का सवाल खड़ा हो गया जोकि खालिदा जिया के शासन की छत्रछाया में पनपते थे। इन तत्वों ने सरकार के विरोध में योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाया और छात्रों को आगे कर वह अपना उद्देश्य हासिल करने में सफल रहे। बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है वह वहां के लिए तो घातक है ही साथ ही भारत के लिए भी यह मुश्किल बढ़ने वाली बात है। भारत ने हालांकि बांग्लादेश सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी है लेकिन अब देश को चीन और पाकिस्तान की सीमा के अलावा बांग्लादेश सीमा पर भी काफी सावधानी बरतनी होगी। ढाका में दिल्ली समर्थक सरकार का नहीं रहना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है।

हम आपको बता दें कि 2009 में शेख हसीना सरकार के आने के बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंधों में प्रगाढ़ता आई थी । इससे पहले जब शेख हसीना 1996 से 2001 के बीच सत्ता में थीं तब भी भारत और बांग्लादेश के संबंध बेहतर रहे थे। शेख हसीना ने बांग्लादेश की कमान संभालने के बाद कट्टरपंथियों पर लगाम लगाई थी और भारत विरोधी गतिविधियां संचालित कर रहे संगठनों पर भी अंकुश लगाया था। यही नहीं, शेख हसीना बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं को भी अक्सर सुरक्षा का पुरा भरोसा दिलाती रहती थीं और उनके धार्मिक आयोजनों में भी शामिल होती थीं। शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद हिंदुओं पर हमले बढ़ने और हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुँचाये जाने की आशंकाएं बलवती हो रही हैं। पहले भी वहां हिंदुओं पर वीभत्स हमले होते रहे हैं ऐसे में अब

उनके लिए खतरा और बढ़ गया है।

वैसे इसमें कोई दो राय नहीं कि शेख हसीना ने बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को भी संकटों से उबारा था लेकिन यह भी तथ्य है कि हाल के वर्षों में खासकर महामारी के बाद से देश की अर्थव्यवस्था लडखडाने लगी थी। बढती बेरोजगारी और महंगाई के चलते शेख हसीना के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही थी। देखा जाये तो बांग्लादेश में मौजूदा अशांति का कारण सरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरियों की संख्या नहीं बढ़ना भी है। उस पर से बांग्लादेश सरकार के हालिया आरक्षण संबंधी फैसले से छात्रों में नाराजगी बढ़ गयी थी। इसके अलावा, बांग्लादेश के कपड़ा कारखाने पूरी दुनिया में मशहूर हैं लेकिन अब यह क्षेत्र सिकुड़ रहा है जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा है। साथ ही बांग्लादेश में महंगाई के 10 प्रतिशत के आसपास बने रहने, बांग्लादेश के विदेशी मुद्रा भंडार के सिकुड़ते जाने और देश पर विदेशी कर्ज बढ़ते जाने जैसे कई अन्य कारक भी रहे जोकि शेख हसीना सरकार के खिलाफ आम जनता की नाराजगी बढा रहे थे।

उस पर से जब शेख हसीना ने यह कह दिया कि आरक्षण के विरोध में प्रदर्शन करने वाले लोग छात्र नहीं बल्कि इस्लामिक पार्टी, जमात-ए-इस्लामी और मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के लोग थे तो छात्रों का गुस्सा और भड़क गया। इसके बाद शेख हसीना ने और कड़ा रुख अपनाते हुए कह दिया कि जो लोग हिंसा कर रहे हैं वे छात्र नहीं बल्कि आतंकवादी हैं जो देश को अस्थिर करना चाहते हैं इसलिए सरकार उनके साथ सख्ती से निबटेगी। उनके इस बयान के बाद तो आंदोलनरत



छात्रों ने आर पार की लड़ाई का मन बना लिया और आखिरकार वह अपने उद्देश्य को हासिल करने में सफल रहे।

बांग्लादेश से जो दृश्य सामने आ रहे हैं वह दर्शा रहे हैं कि प्रदर्शनकारियों का मकसद सिर्फ सत्ता बदलना नहीं था। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के आवास और अन्य महत्वपूर्ण इमारतों में घुसकर प्रदर्शनकारियों ने जो हरकतें की हैं वह दर्शा रही हैं कि अब देश अराजकतावादियों के हाथ में चला गया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के आवास में जिस तरह मस्ती करते या संपत्ति को नुकसान पहुँचाते युवकों का वीडियो सामने आया है उसने श्रीलंका के राष्ट्रपति भवन में घुसे प्रदर्शनकारियों

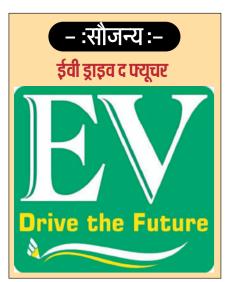
और अफगानिस्तान में तख्तापलट के

दौरान सरकारी इमारतों में घुसते तालिबानियों की याद दिला दी है। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों को समझना होगा कि मूर्तियों को तोड़ने, सरकारी इमारतों को नुकसान पहुँचाने और किसी देश के विरोध में अभियान चलाने से देश की अर्थव्यवस्था सुधर नहीं जायेगी।

बांग्लादेश में लोकतंत्र के नहीं रहने का सबसे बड़ा खामियाजा यह होगा कि विदेश कर्ज हासिल करने के जो प्रयास किये जा रहे थे, या बांग्लादेश में जो निवेश आने वाला था, अब वह बाधित हो जायेगा। बांग्लादेश में लोकतंत्र के नहीं रहने का खामियाजा यह होगा कि विदेशी सरकारें उसकी मदद करने से कतराएंगी। दुनिया का कोई भी लोकतांत्रिक देश दूसरे देश की सरकार से ही बातचीत करने या कोई करार करने को वरीयता देता है। सैन्य नियंत्रण वाले देशों से लोकतांत्रिक देश अक्सर दूरी

बनाये रखते हैं। बहरहाल, बांग्लादेश की सेना और राष्ट्रपित को चाहिए कि जल्द से जल्द अंतरिम सरकार का गठन किया जाये और संभव हो तो नये चुनाव कराये जाएं। यह सर्वविदित है कि हिंसा किसी मसले का हल नहीं है, लूटपाट और उत्पात से देश को नुकसान ही होगा और पिछले वर्षों में आगे बढ़ने के लिए जो मेहनत की गयी थी उस पर भी पानी फिर जायेगा। इसलिए समय की आवश्यकता है कि बांग्लादेश एकजुट होकर इस मुश्किल घड़ी से बाहर निकले।

ं-नीरजकुमारदुबे



हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों पर सरकार करेगी बड़ा ऐलान, फेम ३ योजना लागू



परिवहन विशेष न्य

भारत सरकार हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ाने के लिए फेम III प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। सरकार जल्द ही इस योजना को लागू कर सकती है। भारी उद्योग मंत्रालय के मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने मीडिया से कहा कि फेम III योजना के कार्यान्वयन के लिए तैयारी की जा रही है। 2015 में पहली बार यह परियोजना को लागू किया। जिसका पहला चरण मार्च 2019 तक था। परियोजना के पहले चरण के लिए 895 करोड़ रुपये भी आवंटित किये गये थे।

फेम योजना के पहले चरण में 2.8 लाख हाइब्रिड वाहनों के लिए लगभग 359 करोड़ रुपये वितरित किए गए थे। इसके अलावा 425 इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड बसें भी लाई गई हैं। इसके अलावा 520 चार्जिंग स्टेशन और इसके बुनियादी ढांचे की लागत 43 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं पर 158 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं।

भारत सरकार ने अप्रैल 2019 के बजट में फेम योजना के दूसरे चरण के लिए 11,500 करोड़ रुपये आवंटित किए। दूसरा चरण जुलाई 2024 तक जारी की गई। इसमें 16,71,606 इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 6,825 करोड़ रुपये सब्सिडी के रूप में वितरित किए गए हैं। वहीं 6,862 इलेक्ट्रिक बसों को भी इंट्रा-सिटी परिचालन के लिए सड़कों पर उतारा गया। अब सरकार जल्द ही फेम III स्कीम लॉन्च करने की योजना बना रही है, लेकिन 2024 के बजट में इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई घोषणा नहीं की है।

स्पाइरो ने नाइजीरिया के ओगुन राज्य में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधान को किया लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी स्पाइरो ने नाइजीरिया के ओगुन राज्य में अपने विस्तार की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य विद्युतीकरण के माध्यम से देश के परिवहन परिदृश्य में क्रांति लाना है।

इलेक्ट्रिक वाहनों और अभिनव बैटरी-स्वैपिंग तकनीक में विशेषज्ञता रखने वाली यह कंपनी राज्य के भीतर विभिन्न स्थानीय सरकारों में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए तैयार है। यह रणनीतिक कदम छह महीने पहले शुरू किए गए एक प्रस्ताव का परिणाम है और तब से इसे गवर्नर दापो अबियोदन का समर्थन प्राप्त है।

दोपहिया ईवी के निर्माता के रूप में स्पाइरो अपनी अत्याधुनिक स्टेट ऑफ चार्ज (SoC) तकनीक के लिए प्रशंसित है। यह तकनीक सवारों को स्वैपिंग स्टेशनों के नेटवर्क तक पहुँचने में सक्षम बनाती है, साथ ही सुविधाजनक रिमोट (घरेलू) चार्जिंग समाधानों सहित तेज और धीमी चार्जिंग दोनों विकल्पों तक पहुँच प्रदान करती है। ये सेवाएँ न केवल सवारी के अनुभव को बढ़ाने के लिए बल्कि पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए भी डिजाइन की गई हैं।

टोगो, बेनिन, युगांडा, केन्या और घाना सिंहत कई उप-सहारा अफ्रीकी देशों में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के साथ, जहाँ इसने 18,000 से अधिक इलेक्ट्रिक मोटरबाइक स्थापित की हैं, स्पाइरो अब नाइजीरिया के आठ जिलों में अपनी सेवाएँ शुरू करने की योजना बना रहा है। ध्यान के प्रमुख क्षेत्रों में अबेकोटा, लागोस, अबुजा और ओयो राज्य गामिल हैं।

मूल रूप से एम ऑटो इलेक्ट्रिक नाम से 2019 में स्थापित, स्पाइरो का ऑटो-रिक्शा उद्योग में योगदान देने और आठ वर्षों से परिवहन में लैंगिक समावेशन की वकालत करने का इतिहास रहा है।

स्पाइरो की सेवा की एक खास विशेषता SoC बिलिंग प्रणाली है, जो ग्राहकों के लिए एक निष्पक्ष और पारदर्शी चार्जिंग मॉडल सुनिश्चित करती है। वास्तविक उपयोग की परवाह किए बिना पूरी बैटरी चार्ज करने के बजाय, सिस्टम बैटरी में जोड़े गए चार्ज की सटीक मात्रा के आधार पर लागत की गणना करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि ग्राहक केवल उसी के लिए भुगतान करें जो वे अबेकोटा में स्पाइरो की तैनाती के पहले चरण में तीन बैटरी स्वैप स्टेशन स्थापित किए गए हैं जो एमकेओ अबियोला स्टेडियम, पानशेके स्केटिंग ग्राउंड और ओके सोकोरी में स्थित हैं। प्रत्येक स्टेशन 24 बैटरियों को चार्ज करने की सेवाएं प्रदान करता है, जिससे इन स्थानों पर 72 चार्ज करने योग्य बैटरियों की नेटवर्क क्षमता बनती है।

टिकाऊ ऊर्जा समाधानों की पहुंच का विस्तार करने के प्रयास में, स्पाइरो ने मैक्स, डॉट और ओनोकॉन के साथ गठजोड़ किया है, जो संगठन पर्यावरण अनुकूल परिवहन के लिए स्वच्छ, हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए समान रूप से समर्पित हैं। अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए, मई 2024 में स्पाइरो ने अफ्रेक्सिमबैंक से 50 मिलियन डॉलर का त्रम्म वित्तपोषण प्राप्त किया। प्रतिष्ठित पैन-अफ्रीकी वित्तीय संस्थान से यह फंडिंग कैमरून और मोरक्को सिंहत अन्य अफ्रीकी बाजारों में स्पाइरो के विकास को गित देने के लिए है।

स्पिरो द्वारा समर्थित इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बदलाव, नाइजीरिया में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 7% वार्षिक वृद्धि के लिए एक समय पर प्रतिक्रिया है। ईवी तकनीक को अपनाने से न केवल शहरी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है, बल्कि आयातित ईंधन पर देश की निर्भरता भी कम होगी और परिवहन क्षेत्र को डीकार्बोनाइज करके वैश्विक जलवायु परिवर्तन शमन में योगदान मिलेगा।

यूटीईजीआई टेक्निकल एंटरप्राइजेज ने भारत की प्लग एन राइड प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर पूर्वी अफ्रीका के ऑटोमोटिव सेक्टर को नया आकार देने के लिए बनाया अभूतपूर्व संयुक्त उद्यम

परिवहन विशेष न्यूज

इलेर्ब्यूक वाहन समाधानप्रदानकरने वाली भारतीय कंपनी प्लग एन राइड मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड और तंजानिया स्थित यूटीईजीआई टेक्निकल एंटरप्राइजेज (आईएनटीएल) लिमिटेड ने प्लग एंड राइड (ईए) कंपनी लिमिटेड की स्थापना केलिए आधिकारिक तौर पर एक अभूतपूर्व संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह महत्वपूर्ण सहयोग पूर्वी अफ्रीका में ऑटोमोटिव परिदृश्य को नया आकार देने के लिए तैयार है।

इस समझौते के तहत प्लग एंड राइड (ईए) कंपनी लिमिटेड तंजानिया के दार एस सलाम में इलेक्ट्रिक वाहनों को असेंबल करने का काम संभालेगी, जिसमें 7 मिलियन अमेरिकी डॉलर का पर्याप्त निवेश किया जाएगा। यूटीईजीआई की स्थानीय विशेषज्ञता और शक्ति ग्रीन एनर्जी के अभिनव ऊर्जा समाधानों का लाभ उठाते हुए, संयुक्त उद्यम का उद्देश्य क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए टिकाऊ परिवहन विकल्प पेश करना

प्लग एन राइड के सीईओ जफ़र इक्बाल ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ₹हम यूटीईजीआई में अपने सम्मानित भागीदारों के साथ इस परिवर्तनकारी यात्रा पर निकलने के लिए उत्साहित हैं। हमारा संयुक्त उद्यमतंजानियामेंस्वच्छगतिशीलता समाधानों को आगे बढ़ाने और सामाजिक-आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए एक साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। साथ में हम ऑटोमोटिव क्षेत्र में नवाचार और स्थिरता के लिए नए मानक स्थापित करने की आकांक्षा रखते हैं।"

शक्त ग्रीन्स के प्रबंध निदेशक प्रदीप चौहान ने इस भावना को दोहराते हुए कहा, "यह सहयोग पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी उत्कृष्टता के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की क्षमता का दोहन करके, हम कार्बन उत्सर्जन को कम कर सकते हैं और एक हरित, अधिक टिकाऊ भविष्य का मार्ग प्रशस्तकर सकते हैं।"

प्लग एन राइड मोटर्स के सीईओ जफ़र इक़बाल ने कहा कि मार्स की संस्थापक सश्री रेखा शर्मा का हम विशेष तौर पर धन्यवाद करते हैं, जिनके अमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन ने इस साझेदारी को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संयुक्त उद्यम में इक्विटी वितरण विदेशी संयुक्त उद्यम भागीदार यूटीईजीआई टेक्निकल एंटरप्राइजेज (आईएनटीएल) लिमिटेड को 60% स्वामित्व आवंटित करता है, और स्थानीय संयुक्त उद्यम भागीदार प्लग एन राइड प्राइवेट लिमिटेड को 40% स्वामित्व आवंटित करता है। परिचालन छह महीने के भीतर शुरू होने वाला है, जिसमें प्रारंभिक ध्यान पीएनआर वाहनों 3W (L3 औरL5 श्रेणी) और इलेक्ट्रिक-पावर्ड ई साइकिल और दो-पहिया मोटरसाइकिलों के कम्प्लीट नॉक्ड डाउन (सीकेडी) भागों को असेंबल करने पर होगा।

यूटीईजीआई टेक्निकल एंटरग्राइजेज (आईएनटीएल) लिमिटेड के अध्यक्षओटिएनो इगोगो ने जोर देकर कहा, ₹यह पहल तंजानिया और भारत के बीच स्थायी साझेदारी का प्रमाण है, जो द्विपक्षीय सहयोग और आपसी समृद्धि को बढ़ावा देने के हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है।₹

तंजानियानिवेश केंद्र (टीआईसी) के कार्यकारी निदेशक गिलियड टेरी ने इस सहयोग को एक ऐतिहासिक उपलिब्ध बताते हुए कहा, ₹प्लग एंड राइड (ईए) कंपनी लिमिटेड की स्थापना तंजानिया के सतत औद्योगिकीकरण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम इस अभूतपूर्व पहल को सुविधाजनक बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं हर

हालिया आँकड़ों का हवाला देते हुए तंजानिया के आर्थिक विकास में संयुक्त निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रपति हसन की भारत यात्रा को रणनीतिक साझेदारी बनाने और सीमा पार सहयोग को बढ़ावा देने के लिए उत्प्रेरक के रूप में रेखांकित किया।

टेरी ने तंजानिया निवेश केंद्र के

भारत बदलेगा चिप निर्माण का खेल, टाटा की सेमीकंडक्टर इकाई का निर्माण शुरू



चिप्सबनाने की है। उन्होंने यह भी

बताया कि यह इकाई स्वदेशी उन्नत

विकास का केंद्रहोगी। इसमें वायर

(पैकेज में एकीकृत प्रणाली)

प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। इन तीन

प्रमुख प्रौद्योगिकियों को इस संयंत्र में

तैनात किया जाएगा। इनका विकास

प्रौद्योगिकियां ऑटोमोटिव (विशेष रूप

से इलेक्ट्रिक वाहन), संचार, नेटवर्क

इंफ्रास्टक्चर और अन्य जैसे प्रमख

अनुप्रयोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि

देश भर के 113 शैक्षणिक संस्थानों में

सेमीकंडक्टरचिपडिजाइन में बी.टेक, एम.टेक और पीएचडी स्तर पर

85,000 उद्योग-तैयार कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इनमें से 9

संस्थानका नाम

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी

राष्ट्रीयप्रौद्योगिकी

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी

नॉर्थ-ईस्टर्नहलि

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी

सिक्किम राष्ट्रीयप्रौद्योगिकी

अरुणाचल प्रदेश राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी

पर्वोत्तर में हैं, जिनका विवरण नीचे

दिया गया है:

संस्थान सिलचर

संस्थान मिजोरम

संस्थान मणिपुर

संस्थान नागालैंड

संस्थान सिक्किम

संस्थान अरुणाचल प्रदेश

युनविर्सिटी, शिलांग

संस्थान मेघालय

असम

मिजोरम

मणिपुर

नागालैंड

त्रिपुरा राष्ट्री संस्थान अगरतला

मेघालय

मेघालय

भारत में ही किया जा रहा है। ये

सेमीकंडक्टर पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों के

बॉन्ड, फ्लिपचिप और आई-एसआईपी

परिवहन विशेष न्यूज

असम में टाटा की सेमीकंडक्टर इकाई का निर्माण कार्यशनिवार, 03 अगस्तको एक बड़े समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन मौजूद थे। केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी और सुचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री हमेशा से 'एक्ट ईस्ट' नीति पर जोर देते रहे हैं।आज असम में इस इकाई के निर्माण कार्य की शुरुआत के साथ एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल हुआ है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29 फरवरी, 2024 को मंजूरी दी थी।

भारत में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास केलिए 21 दिसंबर, 2021 को 76,000 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाले कार्यक्रम को अधिसूचित किया गया था। जून 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के साणंद में सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के माइक्रोन के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसका निर्माण कार्यतेजी से आगे बढ़ रहा है।

कंद्रीय मंत्री ने कहा कि 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश से टाटा की सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित की जाएगी। इससे 15 हजार प्रत्यक्ष और 11-13 हजार अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। सेमीकंडक्टर उद्योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह एक बुनियादी उद्योग है। इससे विभिन्न अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम उद्योगों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

इस इकाई की प्रस्तावित क्षमता प्रतिदिन 4.83 करोड़ सेमीकंडक्टर

डेसिया डस्टर के अलावा स्प्रिंग ईवी की भी भारत में योजना, इसे क्विड ईवी के नाम से की जा सकती है लॉन्च

फ्रेंच ऑटोमेकर रेनॉल्ट भारत में हैचबैक, एमपीवी और एसयूवी सेगमेंट में गाड़ियां पेश करती है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी इलेक्ट्रिक सेगमेंट में डेसिया सिप्रंग ईवी को भारतीय बाजार में पेश कर सकती है। हालांकि कंपनी ने इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसे जल्द ही भारत में लाया जा सकता है।

डेसिया सप्रिंग ईवी के भारत आने की उम्मीद है, क्योंकि कुछ रिपोर्टों से पता चला है कि देश में इसका परीक्षण किया जा रहा है और इसे दक्षिण भारत में एक पार्किंग स्थल पर देखा गया है।

जानकारी के अनुसार डेसिया स्प्रिंग ईवी को भारत में क्विड के इलेक्ट्रिक वर्जन के तौर पर पेश किया जा सकता है, जिसे कंपनी हैचबैक सेगमेंट में पेश करती है।

इस एसयूवी में 26.8 kWh क्षमता की बैटरी दी गई है। इससे यह सिंगल चार्ज पर 200 किलोमीटर की रेंज दे



सकती है। इसमें लगा मोटर इसे 33 किलोवाट की पावर और 125 न्यूटन मीटर का टॉर्क देती है। यह ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ आती है।

डेसिया सप्रेंग ईवी को कई बेहतरीन फीचर्स के साथ पेश की गई है। सुरक्षा के लिए इसमें एडीएएस, टायर रिपेयर किट, ईएससी, हिल स्टार्ट असिस्ट, ड्राइवर अटेंशन अलर्ट, रियर पार्कंग सेंसर, एबीएस, फ्रंट एयरबैग, टीपीएमएस, हीटेड रियर विंडो, रियर फॉग लैंप, डीआरएल, मैनुअल एसी, डिजिटल स्पीडोमीटर, सात इंच का डिजिटल इंस्ट्रमेंट क्लस्टर, 10 इंच का

नेविगेशन, ब्लैक इंटीरियर जैसे फीचर्स

इंफोटेनमेंट सिस्टम, कनेक्टेड

दिए गए हैं।

कंपनी ने अभी इसे भारत लाने के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। लेकिन उम्मीद है कि डेसिया डस्टर के बाद इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को अगले साल तक करीब 10 लाख रुपये की कीमत पर पेश किए जाने की संभावना है।



सोलर बैटरी से चलेगी इलेक्ट्रिक साइकिल

मैनपुरी, भोगांव के राजकीय पॉलिटेक्निक छाछा के अंतिम वर्ष के छात्रों ने कम सुविधाओं के बावजूद सोलर बैटरी से चलने बाली इलेक्ट्रिक साइकिल बनाई है। छात्रों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार से होनहार युवकों की सहायता की मांग की है। राजकीय पॉलिटेक्निक के छात्रों ने पूरी तरह से बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक साइकिल बनाने का दावा किया है। इस संबंध में छात्रों कहना है कि एक बार बैटरी को पूरी तरह से चार्ज होने पर 30 से 32 किलोमीटर तक ई-साइकिल को चलाया जा सकता है।

ई-साइकिल बनाने बाली टीम के सदस्य अंकित शाक्य, अभय प्रताप सिंह, सुधामा शाक्य, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, अतुल कुमार ने बताया कि इस ई-साइकिल में रात्रि में चलाए जाने के लिए बैटरी से चलने वाली लाइट भी लगाई गई है। उनकी इस उपलब्धि पर प्रधानाचार्य बिहारी लाल का कहना है कि यदि इन होनहारों को प्रदेश व केंद्र सरकार सहायता प्रदान करे तो ये ई-साइकिल को और अधिक सुविधा जनक कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए विद्यालय से अधिक से अधिक सहायता करने का आश्वासन दिया है। छात्रों के इस कार्य में व्याख्याता जसवंत सिंह का सराहनीय सहयोग है।

भारतीय कंपनी ने बनाई पहली मेड इन इंडिया सोलर कार, देगी 330 किलोमीटर की रेंज

परिवहन विशेष न्यूज

पुणे स्थित स्टार्टअप वायवे कमशिंयल मोबिलिटी ने सोलर एनर्जी से चलने वाली कार बनाई है। इस कार का नाम वायवे सीटी5 सोलर कार है। यह कार देश में बनने वाली पहली सोलर कार है। कंपनी ने इसे ऑटो एक्सपो 2023 में पेश किया था।

सोलर कार को कंपनी ने खासतौर पर टैक्सी लाइनअप के लिए बनाया है। यह कार 5 सीटर होने वाली है। यह सोलर कार होने के साथ ही इलेक्ट्रिक कार भी है, जिसे आप चार्ज करके भी चला सकते हैं।

कंपनी की तरफ से दावा किया गया है इसे एक बार फुल चार्ज करने के बाद 330km तक का सफर तय किया जा सकता है। इसकी टॉप स्पीड 70Km/h है। यह कार महज 6 सेकंड में 0 से 40 km/h की स्पीड पकड़ लेती है। यह महज 1.30 घंटे में ही फुल चार्ज किया जा सकता है। इस कार की खास बात यह है कि इसके रूफ पर सोलर पैनल लगाएं गए हैं। जिसकी वजह से इसे आप एक साल में 4000 किलोमीटर तक एकदम फ्री में चला सकते हैं। यानी आप कश्मीर से कन्याकुमारी तक फ्री में सफर कर सकते हैं। जिसकी दुरी 3676 किलोमीटर है।

कार के दूसरे फीचर्स के बारे में बात करें तो इसमें एसी वेंट्स, लैपटॉप या दूसरे गैजेट्स के लिए 220 वॉट चार्जिंग सॉकेट, रिवर्स कैमरा, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, कनेक्टेड कार फीचर्स दिए गए है। लोगों की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए सभी 5 पैसेंजर्स के लिए सीटबेल्ट दिया गया है। इसमें फ्रंट डिस्क ब्रेक, कार में पीछे की तरफ दो बड़ी वर्टिकल स्क्रीन, आईपी 67 सर्टिफाइट पावरट्रेन दिया गया है।

इसे बनाने वाली कंपनी वायवे कमर्शियल मोबिलिटी की तरफ से इसकी कीमत को लेकर किसी तरह की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन खबरों की मानें तो इस कार की कीमत 10 लाख रुपये के आस-पास हो सकती है।



कोचिंग संस्थानों के उदय ने पारंपरिक स्कूली शिक्षा में भी विश्वास कम कर दिया है



विजय गर्ग कोचिंग संस्थानों को लेकर सबसे गंभीर चिंताओं में से एक महत्वपूर्ण सोच और गहन विषय समझ को बढ़ावा देने के बजाय रटने को प्राथमिकता देने की उनकी प्रवृत्ति है।विश्लेषणात्मक विचार के लिए छात्रों की क्षमता विकसित करने के बजाय, ये संस्थान उन्हें केवल जानकारी को याद रखने और तेजी से याद करने की शिक्षा देने परध्यान केंद्रित करतेहैं।

से-जैसे कोचिंग संस्थानों को प्रमुखता मिल रही है, कई माता-पिता और छात्र नियमित स्कूली शिक्षा को अपर्याप्त या अपर्याप्त मानते हैं. जिससे स्कलों और शिक्षकों की विश्वसनीयता कम हो जाती है जो युवा दिमाग को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत की शिक्षा प्रणाली, जो कभी अपनी कठोरता और गहराई के लिए प्रसिद्ध थी, अब कोचिंग संस्थानों की भारी वृद्धि के कारण संकट से जूझ रही है। शुरुआत में पारंपरिक स्कूली शिक्षा के पुरक के रूप में कल्पना की गई, ये संस्थान एक प्रमख शक्ति के रूप में विकसित हए हैं. जो एक समानांतर उद्योग का निर्माण कर रहे हैं जो छात्रों के सीखने और बढ़ने के तरीके को गहराई से बदल रहा है। पूरे भारत में कोचिंग संस्थानों का प्रसार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईटी) मेडिकल कॉलेजों और सिविल सेवाओं जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की प्रवेश परीक्षाओं की कड़ी प्रतिस्पर्धा का सीधा जवाब है। अत्यधिक ऊंचे दांव के साथ, माता-पिता इन कोचिंग सेंटरों में बड़ी मात्रा में पैसा निवेश कर रहे हैं, यह विश्वास करते हुए कि वे इन संस्थानों में प्रतिष्ठित स्थानों को सरक्षित करने के लिए आवश्यक आवश्यक बढ़त प्रदान करते हैं। निवेश में यह उछाल उनके बच्चों के लिए समृद्ध भविष्य की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता को दर्शाता है। हालाँकि, इस प्रवृत्ति के कारण भारत की शिक्षा प्रणाली के लिए कई महत्वपूर्ण और हानिकारक परिणाम सामने आए हैं। कोचिंग संस्थानों को लेकर सबसे गंभीर चिंताओं में से एक महत्वपूर्ण सोच और गहन विषय समझ को बढ़ावा देने के बजाय रटने को प्राथमिकता देने की उनकी प्रवृत्ति है। विश्लेषणात्मक विचार के लिए छात्रों की क्षमता विकसित करने के बजाय, ये संस्थान उन्हें केवल जानकारी को याद रखने और तेजी से याद करने की शिक्षा देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। हालांकि यह दृष्टिकोण परीक्षा के अंकों में अल्पकालिक लाभ प्रदान कर सकता है, लेकिन यह छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं की पेचीदगियों के लिए अपर्याप्त रूप से तैयार करता है, जो विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधान कौशल के अनुप्रयोग की मांग करते हैं। परिणामस्वरूप, हम छात्रों की एक ऐसी पीढ़ी के उद्भव को देख रहे हैं

www.newsparivahan.com

जो परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं लेकिन अपने ज्ञान को व्यावहारिक रोजमर्रा की स्थितियों में लागू करने के लिए संघर्ष करते हैं। सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनप्रयोग के बीच का यह अंतर शिक्षा के मल उद्देश्य को कमजोर करता है। परीक्षा की तैयारी पर कोचिंग संस्थानों का फोकस एक सर्वांगीण शिक्षा की कीमत पर होता है। संचार कौशल, रचनात्मकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता जैसे महत्वपूर्ण तत्व अक्सर प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं को क्रैक करने पर अत्यधिक जोर देने से प्रभावित होते हैं। कला, खेल और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों सहित समग्र विकास में योगदान देने वाली गतिविधियों को अक्सर परिधि पर धकेल दिया जाता है। उच्च परीक्षा अंक प्राप्त करने के एकमात्र लक्ष्य से प्रेरित छात्र और माता-पिता शिक्षा के इन पहलुओं की उपेक्षा करते हैं। यह एक-आयामी दृष्टिकोण न केवल व्यक्तिगत प्रतिभा को दबाता है बल्कि छात्रों के समग्र विकास में भी बाधा डालता है, जिससे वे अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में कम अनुकूलनीय और बहुमुखी बन जाते हैं। कोचिंग संस्थानों द्वारा डाले गए दबाव का छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, जिससे तनाव और चिंता से भरा माहौल पैदा होता है। उच्च अंकों के लिए अथक प्रयास अक्सर छात्रों को कठिन कार्यक्रम का सामना करना पड़ता है, जिससे आराम या सामाजिक संपर्क के लिए बहुत कम जगह बचती है। विफलता का निरंतर डर गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है, जिसमें बर्नआउट और, दुखद रूप से, आत्महत्या भी शामिल है। विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य सर्वोपरि होना चाहिएप्राथमिकता, लेकिन अकादिमक उत्कृष्टता की निरंतर खोज में इसे अक्सर उपेक्षित कर दिया जाता है। प्रदर्शन करने का अत्यधिक दबाव न केवल छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को बल्कि उनके जीवन की समग्र गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। असफलता से भयभीत और माता-पिता द्वारा कोचिंग में किए गए पर्याप्त वित्तीय निवेश से अवगत छात्र दुखद रूप से अपनी जान ले सकते हैं। इसी प्रकार, कुछ छात्र जो वांछित परिणाम प्राप्त करने में असफल होते हैं वे आत्महत्या का भी शिकार हो सकते हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, 1.2% छात्र परीक्षा में असफल



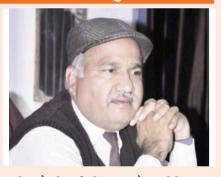
होने के कारण आत्महत्या कर लेते हैं। विशेष रूप से, कोटा, त्रिशूर और चेन्नई जैसे शहर, जो प्रतिस्पर्धी पेशेवर परीक्षाओं पर केंद्रित कोचिंग सेंटरों के लिए जाने जाते हैं, ने आत्महत्या समूहों की सूचना दी है। कोचिंग संस्थानों के उदय ने पारंपरिक स्कली शिक्षा में भी विश्वास कम कर दिया है। जैसे-जैसे कोचिंग संस्थानों को प्रमुखता मिल रही है, कई माता-पिता और छात्र नियमित स्कूली शिक्षा को अपर्याप्त या अपर्याप्त मानते हैं, जिससे स्कूलों और शिक्षकों की विश्वसनीयता कम हो जाती है जो युवा दिमाग को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह धारणा एक हानिकारक चक्र की शुरुआत करती है जहां स्कूल, प्रासंगिक और प्रतिस्पर्धी बने रहने का प्रयास करते हुए, कोचिंग-संचालित, परीक्षा-उन्मुख शिक्षण विधियों के साथ तालमेल बिठाने के लिए शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता कर सकते हैं। यह बदलाव समग्र शिक्षा के मूल्य को और कम करता है। और कोचिंग संस्थानों के प्रभुत्व को मजबूत करता है। इसके अलावा, ₹डमी प्रवेश₹ की प्रथा लोकप्रिय हो गई है, जहां छात्रों को स्कलों में प्रवेश दिया जाता है, लेकिन वे उपस्थित नहीं होते हैं, इसके बजाय अक्सर एक अलग शहर में कोचिंग का विकल्प चुनते हैं। कोचिंग संस्थान की घटना शिक्षा में सामाजिक-आर्थिक विभाजन को और

मजबुत करती है, क्योंकि उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग तक पहुंच अक्सर उन लोगों के लिए आरक्षित होती है जो अत्यधिक फीस वहन कर सकते हैं. जिससे वंचित छात्रों को काफी नुकसान होता है। यह असमानता असमानता को कायम रखती है, क्योंकि समृद्ध पृष्ठभूमि के छात्र प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं और उसके बाद के अवसरों में अनुचित लाभ प्राप्त करते हैं। एक समान शिक्षा प्रणाली को सभी छात्रों के लिए समान अवसर प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए, लेकिन कोचिंग संस्थानों द्वारा संचालित वर्तमान परिदृश्य मौजुदा असमानताओं को गहरा करता है, सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को मजबत करता है। कोचिंग मांगने का आधार ही स्वाभाविक रूप से अनुचित है, क्योंकि यह समान प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा नहीं देता है। नतीजतन, उच्च सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में असंगत लाभ मिलता है। कोचिंग संस्थानों के हानिकारक प्रभावों को कम करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण आवश्यक है। सबसे पहले, स्कूली शिक्षा प्रणाली में सुधार करने, इसे और अधिक मजबूत और व्यापक बनाने के लिए एक ठोस प्रयास किया जाना चाहिए। इस सुधार में छात्रों को केवल परीक्षा के लिए तैयार करने के बजाय आलोचनात्मक सोच.

रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल के विकास पर जोर देना चाहिए। स्कूलों का लक्ष्य एक संतुलित शिक्षा प्रदान करना होना चाहिए जो शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास दोनों को बढ़ावा दे। दूसरे, व्यापक स्तर की दक्षताओं का आकलन करने के लिए प्रवेश परीक्षाओं का पुनर्गठन किया जाना चाहिए। वर्तमान परीक्षाएं अक्सर रटकर याद करने को प्राथमिकता देती हैं, जो व्यावहारिक स्थितियों में ज्ञान को लागू करने की छात्र की क्षमता को सटीक रूप से प्रतिबिंबित नहीं करता है। आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताओं पर विचार करने वाली मूल्यांकन विधियों को शुरू करके, हम छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार कर सकते हैं। यह सुधार खेल के मैदान को समतल करने में मदद करेगा, यह स्निश्चित करेगा कि सभी पृष्ठभूमि के छात्रों को सफल होने का समान अवसर मिले। अंत में, स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रमों के लिए समर्थन बढ़ाने के लिए एक ठोस प्रयास होना चाहिए। विद्यार्थियों को बद्धि प्रदान करनाशैक्षणिक दबावों को प्रबंधित करने और उनके मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आवश्यक संसाधन उनके समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्कूलों

को ऐसे सहायक वातावरण बनाने का प्रयास करना चाहिए जो छात्रों की भलाई को प्राथमिकता दे. उन्हें शैक्षणिक प्रदर्शन से जुड़े तनावों से निपटने में मदद करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करे। निष्कर्षतः, हालांकि कोचिंग संस्थान अकादिमक सफलता के लिए एक प्रभावी शॉर्टकट पेश कर सकते हैं, लेकिन भारत की शिक्षा प्रणाली पर उनका दीर्घकालिक प्रभाव बेहद परेशान करने वाला है। समग्र विकास पर परीक्षा के अंकों को प्राथमिकता देकर, वे ऐसे छात्रों को तैयार करते हैं जो आधुनिक दुनिया की जटिलताओं से निपटने के लिए तैयार नहीं हैं। हमें इन मुद्दों को पहचानना और उनका समाधान करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारी शिक्षा प्रणाली न केवल उच्च उपलब्धि हासिल करने वालों का पोषण करती है, बल्कि सर्वगुणसंपन्न, सक्षम व्यक्तियों का भी पोषण करती है जो समाज में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हैं। केवल शिक्षा के प्रति अधिक संतुलित और समावेशी दृष्टिकोण अपनाकर ही हम छात्रों को भविष्य के लिए वास्तव में तैयार करने की उम्मीद कर सकते हैं, उन्हें लगातार विकसित हो रही दुनिया में आगे बढ़ने के लिए सशक्त बना सकते हैं। सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकारमलोट

62 वर्षों की एक उल्लेखनीय यात्रा डाक्टर अंकुश गर्ग



शिक्षा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता वाले एक प्रतिष्ठित व्यक्ति विजय गर्ग ने अपने पुरे जीवन में उपलब्धियों की एक उल्लेखनीय शृंखला बुनी है।

जन्मजात जिज्ञासा के साथ जन्मे और पले-बढ़े विजय ने अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू की, जिसका समापन योग्यताओं की एक प्रभावशाली सूची में हुआ। एम.एससी., बी.एससी., बी.एड. और सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की डिग्री हासिल करने के बाद, उन्होंने ज्ञान की खोज के लिए समर्पित करियर के लिए एक मजबत नींव रखी।

शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश करते ही विजय के पेशेवर प्रक्षेप पथ ने एक महत्वपूर्ण मोड़ ले लिया। प्रिंसिपल की भूमिका संभालने से पहले गणित में व्याख्याता के रूप में कार्य करते हुए, वह युवा दिमाग को आकार देने में एक प्रभावशाली व्यक्ति बन गए। उनका प्रभाव कक्षा से परे तक फैला, जो कई शैक्षिक पुस्तकों के लेखक के रूप में उनकी भूमिका में परिलक्षित हुआ।₹अपने करियर का सही चुनाव करें,₹ ₹एनटीएसई,₹ ₹एनएमएमएस,₹ और असंख्य अन्य शीर्षक मूल्यवान अंतर्दृष्टि के साथ छात्रों को सशक्त बनाने की उनकी प्रतिबद्धता को प्रमाणित करते हैं।

केवल अकादिमक योगदान से संतुष्ट न होकर, विजय एक विपल लेखक के रूप में उभरे, जिन्होंने विभिन्न समाचार पत्रों में अंग्रेजी और हिंदी के साथ-साथ पंजाबी में भी लेख लिखे । लिखित शब्द के माध्यम से ज्ञान और मार्गदर्शन का प्रसार करने की उनकी क्षमता ने उन्हें प्रेरणा की किरण के रूप में चिहिनत किया।

अपनी साहित्यिक गतिविधियों से परे, विजय अद्वितीय समर्पण के साथ सामाजिक कार्यों में भी लगे रहे। उनकी पहल में मुफ्त कैरियर मार्गदर्शन परामर्श प्रदान करना, शैक्षिक सामग्रियों की पीडीएफ वितरित करना और सामुदायिक सुधार परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेना शामिल था। उनके काम का प्रभाव दूर-दूर तक फैला, जिससे उन्हें पंजाब शिक्षा सिचव, जिला शिक्षा अधिकारी और एसडीएम जैसे प्रतिष्ठित अधिकारियों से प्रशंसा मिली।

विजय का एक उल्लेखनीय योगदान एमएचआर मलोट में सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के परिवर्तन में निहित है। उनके नेतृत्व के माध्यम से, स्कूल में पर्याप्त सुधार हुए और छात्रों को मुफ्त विज्ञान और गणित की किताबों से लाभ हुआ, जो सुलभ शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

विजय गर्ग की यात्रा शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति और एक व्यक्ति का समुदाय पर पड़ने वाले गहरे प्रभाव का प्रमाण है। चूँकि वह अपने लेखन, सामाजिक पहल और शैक्षिक प्रयासों के माध्यम से भविष्य को आकार देना जारी रखते हैं, उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा के रूप में खडी है।

डाक्टर अंकुश गर्ग एमबीबीएस मलोट

एयर होस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड में करियर के अवसर और चुनौतियाँ

विजय गर्ग

एयर होस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड एक पेशेवर है जो विमान में यात्रियों का स्वागत करता है. उड़ान भरने से पहले सभी सुरक्षा प्रक्रियाएं करता है और यह सुनिश्चित करता है कि यात्रियों को उड़ान के दौरान आरामदायक बनाया जाए। यह पेशा समाज के कई युवा और ऊर्जावान चेहरों का एक सर्वकालिक संपना है। व्यावसायीकरण और आकाश के खुलने के साथ, कई लोग इस सपने को संजो सकते हैं और दिनया भर में आकाश में उड़ने की अपनी इच्छा को पूरा कर सकते हैं। इस पेशे को फैशन जगत के किसी भी पेशे की तरह ग्लैमरस माना जाता है। लेकिन यह पेशा उन लोगों के लिए सबसे उपयुक्त है जो यात्रा करना बहुत पसंद करते हैं और अजनबियों के साथ सहज महसूस करते हैं। इसके अलावा, उन्हें विषम समय में भी काम करने की आदत होनी चाहिए। सही मायने में कहें तो, इस करियर में बने रहने के लिए व्यक्ति में सीखने और जहाज पर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए दृढ़ विश्वास और प्रतिबद्धता होनी चाहिए। नौकरी के लिए बहुत अधिक मेहनत, सहनशक्ति, दिमाग की सतर्कता, कठिन समय-सारणी का पालन करने की क्षमता. अच्छी टीम भावना की भी आवश्यकता होती है। अपने कर्तव्यों का कशलतापर्वक और प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के लिए उसे विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है जो भारत में कुछ सर्वोत्तम संस्थानों द्वारा प्रदान किया जाता हैं। एयर होस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड पात्रता एयर होस्टेस योग्यता भारत में एयर होस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड बनने के लिए पात्र होने के लिए, व्यक्ति को 10+2/स्नातक के साथ पर्यटन प्रबंधन या होटल प्रबंधन में डिप्लोमा/डिग्री होना चाहिए। अंग्रेजी, हिंदी में प्रवाह और एक अंतरराष्ट्रीय भाषा का ज्ञान इस क्षेत्र में एक अतिरिक्त लाभ है। आयु सीमा महिला अभ्यर्थी की आयु 25 वर्ष से कम होनी चाहिए और पुरुष समकक्ष की

आयु 26 वर्ष से कम होनी चाहिए और उसके पास भारतीय पासपोर्ट होना चाहिए। शारीरिक मानक महिला अभ्यर्थी की लंबाई 157.5 सेंटीमीटर होनी चाहिए जबकि परुष अभ्यर्थी की ऊंचाई कम से कम 163 सेमी होनी चाहिए। वजन ऊंचाई के अनुपात में होना चाहिए। वैवाहिक स्थिति व्यक्ति को अविवाहित होना

चाहिए, प्रत्येक आंख में 6/6 की सामान्य दृष्टि होनी चाहिए। एयर होस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड आवश्यक कौशल एयर होस्टेस को करियर के रूप में अपनाने के लिए व्यक्ति में अनुशासन, धैर्य, जिम्मेदारी की भावना, समय की पाबंदी, प्रतिबद्धता, आत्मविश्वास और सबसे ऊपर एक मिलनसार, मिलनसार और मनभावन व्यक्तित्व होना चाहिए। उनके पास अच्छे संचार कौशल भी हैं; विभिन्न प्रकार के लोगों के साथ व्यवहार करने में आत्मविश्वास; एक

टीम के सदस्य के रूप में काम करने और सहकर्मियों का सहयोगी बनने की क्षमता। उन्हें कठिन परिस्थितियों से निपटने में भी सक्षम होना चाहिए और दबाव और आपातकालीन स्थितियों में शांत रहने की क्षमता भी होनी चाहिए; चतुर और कुटनीतिक होने के साथ-साथ आवश्यकता पड़ने पर मुखर होने की क्षमता। उनके पास व्यावसायिक जागरूकता और बिक्री कौशल भी हैं: वर्ष के किसी भी दिन असामाजिक कार्य घंटों में लचीलापन। एयर होस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड कैसे बनें ? एयर होस्टेस बनने के लिए निम्नलिखित चरणों का पालन करना होगाः स्टेप 1 जब भी राष्ट्रीय समाचार पत्रों या अन्य जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन दिया जाता है, तो उम्मीदवारों को मांगे गए प्रमाणपत्रों के साथ आवश्यक पद के लिए

चरण दो प्रारंभिक स्क्रीनिंग के बाद शॉर्टलिस्ट होने पर एयरलाइन कंपनी सबसे योग्य उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा के लिए बुलाती है, जो आमतौर पर वस्तुनिष्ठ प्रकार की बहविकल्पीय परीक्षा होती है। इस लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को समूह चर्चा और उसके बाद व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। चरण 3 दूसरे चरण के सफल उम्मीदवारों को विभिन्न क्षेत्रों में 2 से 3 महीने तक प्रशिक्षित किया जाता है जिसमें वे सेवा, सौंदर्य, सरक्षा और प्राथमिक चिकित्सा आदि के बारे में सीखते हैं।तकनीकी और गैर-तकनीकी पहलुओं और आवश्यक क्षेत्र में तैयारी के बाद, भावी एयर होस्टेस को पूर्ण वाणिज्यिक विमानों पर ड्यूटी सौंपने से पहले प्रशिक्षु उड़ानों पर रखा जाता है। एयर होस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड के लिए पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले संस्थान एयर

होस्टेस अकादमी (एएचए), बैंगलोर एयर होस्टेस अकादमी, चंडीगढ फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर होस्टेस ट्रेनिंग, मुंबई किंगफिशर प्रशिक्षण अकादमी, मुंबई एयर होस्टेस नौकरी विवरण एयर होस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड की नौकरी विमान के पायलट की नौकरी से कम महत्वपूर्ण नहीं है। यदि यात्री को सरक्षित उसके गंतव्य तक पहुंचाना पायलट की जिम्मेदारी है. तो जमीनी स्तर से 10.000 मीटर ऊपर यात्री की सुविधा का ध्यान रखना एक एयर होस्टेस की जिम्मेदारी है। यह किसी भी दृष्टि से कम मांग वाला कार्य नहीं है। एक एयर होस्टेस वह होती है जो यात्री की भलाई और आराम को देखती है और वह भी तुरंत समय में। वह वह व्यक्ति होता है जो उड़ान के दौरान किसी भी प्रकार का चुनौतीपूर्ण क्षण आने पर यात्रियों का मनोबल बढ़ाता है। हम कह सकते हैं कि विमान में यात्रियों का स्वागत करने से लेकर उनके बोर्डिंग तक, वह एयरलाइंस का एकमात्र प्रतिनिधि या कहना चाहिए मानवीय चेहरा है। एयर होस्टेस के करियर की संभावनाएँ एयर होस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड के रूप में अपना कैरियर शुरू करने के बाद किसी को अपने कार्य क्षेत्र में अनुभव और दक्षता के साथ सीनियर फ्लाइट अटेंडेंट के पद पर और अंततः हेड अटेंडेंट के पद पर पदोन्नत किया जा सकता है। एयर होस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड वेतन एयरलाइंस और किसी की क्षमताओं के आधार पर, कोई व्यक्ति आवास सुविधाओं, चिकित्सा व्यय और बाहरी भत्ते के साथ-साथ अपने तत्काल के लिए मुफ्त/रियायती हवाई मार्ग के अलावा कई प्रकार के लाभ और भत्ते के साथ लगभग 35,000 रुपये से 40,000 रुपये की उम्मीद कर सकता है। परिवार के सदस्य और आश्रित आदि।

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मलोट

विभिन्न एयरलाइनों में आवेदन करना होता है। सपनों से खिलवाड़

सब मानते और इस पर गर्व भी करते हैं कि युवा हमारे देश की सबसे बड़ी पूंजी हैं, जो आने वाले दिनों में देश को विकसित भारत बनाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाएंगे। पर क्या हमें अपनी इस पुंजी की परवाह है। शायद नहीं। क्योंकि यदि हम सभी को उनकी परवाह होती, तो इनके सपनों की बोली लगाने में सब एकजुट नहीं हो जाते। कोचिंग संचालकों से लेकर पीजी व किराये पर मकान उपलब्ध कराने वाले सभी को संभवतः यही लगता है कि सपनों को पूरा करने की जद्दोजहद में युवा कोई भी मोल चुका सकते हैं। पर उन्हें शायद इस बात का जरा भी अहसास नहीं

है भी तो अपने स्वार्थ में उन्हें परवाह नहीं कि इन सपनों के पीछे उन युवाओं और उनके स्वजन के कितने कष्ट छिपे हैं।

हर जगह सौदेबाजी: देश के दूर- दराज के गांवों. कस्बों. शहरों के यवाओं को लगता है कि यदि वेदिल्ली, कोटा जैसे शहरों में नामी गिरामी कोचिंग संस्थानों से मार्गदर्शन ले लें. तो निश्चित रूप से उनके सपने पूरे हो सकते हैं। इसी उम्मीद में उनके स्वजन कर्ज लेकर या अपने घर, खेत, जमीन बेचकर या गिरवी रखकर भी उन्हें अपने अरमान पुरे करने के लिए दिल्ली या कोटा जैसे शहरों की महंगी कोचिंग करने भेज देते हैं।पर इसके लिए उनके जिगर के टुकड़ों को कदम-

कदम पर सौदेबाजी का शिकार होना पडता है। किसी तरह अपनी पसंद के कोचिंग में सीट मिल भी गई, तो रहने- खाने की जबैजहद शुरू हो जाती है। जिस संतान की परवरिश माता-पिता बड़े लाड़-दुलार से करते हैं, उसी को डारमेट्टी जैसे आकार-प्रकार वाले पीजी या कमरे में रहने को विवश होना पड़ता है। रहने और खाने के नाम पर उनसे मनमाने पैसे वसूल किए जाते हैं और यह सब युवा सिर्फ और सिर्फ इसलिए सह लेते हैं, क्योंकि उनकी अरबों में कामयाबी के सपने होते हैं।

कौन लेगा जिम्मेदारी: दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर के कोचिंग संस्थान की दो मासम छात्राओं और एक छात्र के बेसमेंट में सीवर का गंदा पानी

भर जाने से हुई मौत की जिम्मेदारी लेने कोई आगे नहीं आया, ना तो कोचिंग संस्थान, ना इमारत का स्वामी और ना ही नगर निगम । बेशक केस दर्ज होने के बाद कोर्ट की तरफ से सभी को फटकार लगाई जा रही है, पर क्या इससे उन मासूमों की जिंदगे वापस आ सकेगी। उक्त घटना के बाद नाराज छात्रों द्वारा किए जा रहे धरने- प्रदर्शन में जब कोचिंग संचालकों की बुलाने की मांग की जा रही थी, तब भी उनके मालिक संवेदना शून्य बने रहते हुए अज्ञातवास में चले गए। उल्टे मोटिवेशनल गुरु के रूप में बड़ी-बड़ी बातें करने वाले एक कोचिंग संचालक ने एक तरह से सरकार की ही जवाबदेही बताते हुए इंडस्ट्री की तरह

कोचिंग के लिए अलग से क्षेत्र तय करने की मांग कर डाली। कोचिंग को जबर्दस्त लाभ वाला उद्योग बना बैठे इन संचालकों की क्या युवाओं, देश और समाज के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं है? युवाओं से हर वर्ष करोड़ों की फीस बटोरने वाले ये कोचिंग संचालक क्या कभी अपने भीतर भी झांकने की कोशिश करेंगे? क्या नगर निगम, फायर ब्रिगेड, पुलिस आदि विभाग अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाने की पहल करेंगे ? यह स्थिति केवल दिल्ली, कोटा की ही नहीं, बल्कि कई बड़े शहरों की भी है।

सेवानिवृत्तप्रधानाचार्यशैक्षिकस्तंभकार

अमेरिका में मंदी की आहट और जापान में ब्याज दर बढ़ने का कहर,

कब तक उबर पाएगा शेयर बाजार?

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष न्यूज

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक अगले कुछ दिनों के बाद भारतीय बाजार फिर से पटरी पर आ सकती है लेकिन मिड कैप और स्माल कैप को संभलने में थोड़ा वक्त लग सकता है। सोमवार को एशिया के अन्य देशों के बाजार में औसतन चार प्रतिशत की गिरावट रही। वहीं जापान निक्की में 12.4 प्रतिशत तो अमेरिकी नैसडेक में चार प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

नई दिल्ली। अमेरिका में मंदी की आहट और जापान में ब्याज दर बढ़ने से दिनया के अन्य बाजार के साथ भारतीय मार्केट में भी सोमवार को भारी गिरावट रही। सेंसेक्स 2222.53 अंक की गिरावट के साथ 78.759.40 अंक पर तो निफ्टी 662 अंक की गिरावट के साथ 24.055 अंक पर बंद हुए। इस बड़ी गिरावट से निवेशकों को 15 लाख करोड़ से अधिक के नुकसान की आशंका है। गत कार्य दिवस में बीएसई का मार्केट कैपिटल 457 लाख करोड़ था जो सोमवार को 442 लाख करोड़ के नीचे चला गया।

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक अगले कुछ दिनों के बाद भारतीय बाजार फिर से पटरी पर आ सकती है, लेकिन मिड कैप और स्माल कैप को संभलने में थोड़ा वक्त लग सकता

है। सोमवार को एशिया के अन्य देशों के बाजार में औसतन चार प्रतिशत की गिरावट रही। वहीं जापान निक्की में 12.4 प्रतिशत तो अमेरिकी नैसडेक में चार प्रतिशत की गिरावट देखी गई। यूरोप के बाजार छह माह के न्यूनतम स्तर पर

क्या धराशायी हुआ शेयर बाजार

बाजार के धराशायी होने के दो प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। गत शुक्रवार को अमेरिका में नौकरी संबंधित रिपोर्ट जारी की गई, जिसके मृताबिक अमेरिका में जुलाई की बेरोजगारी दर 4.3 प्रतिशत के साथ तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अमेरिका में बेरोजगारी दर के बढ़ने से वहां मंदी की आशंका जाहिर की जाने लगी। इसे संभालने के लिए अमेरिकी फेडरल बैंक की तरफ से सितंबर में ब्याज दर में कटौती की प्रबल संभावना है।

यूरोप व चीन में पहले से ही सुस्ती चल रही है। कच्चे तेल की कीमत पहले से आठ माह के न्यूनतम स्तर पर है। इन सबको देखते हुए वैश्विक स्तर पर मंदी की आहट देख दुनिया भर के बाजार में सोमवार को जबरदस्त बिकवाली की गई जिससे बाजार प्रभावित हुआ।

दूसरा बड़ा कारण यह रहा कि पिछले सप्ताह जापान के

सेंटल बैंक ने ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी। पिछले 15 साल से भी अधिक समय से जापान में 0.0-0.1 प्रतिशत की ब्याज दर थी। लगभग शून्य ब्याज दर होने से वैश्विक निवेशक जापानी बैंक से पैसा उठाकर दुनिया के अन्य देशों में निवेश कर रहे थे। अब जापान सेंट्रल बैंक की तरफ से ब्याज दर बढ़ा देने पर निवेशकों को ब्याज भी देना पड़ेगा जिससे बिकवाली को समर्थन मिला। दूसरी तरफ जापानी सरकार के हस्तक्षेप से डालर के मुकाबले येन में मजबूती भी आ गई। क्या है एक्सपर्ट की राय

पीएचडी चेंबर के कैपिटल मार्केट कमेटी के चेयरमैन बी.के. सभरवाल कहते हैं कि पहले एक डॉलर के बदले 162 येन मिल रहे थे जो अब 145 येन हो गया। मतलब सीधे-सीधे 13 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इन वजहों से जापानी बैंक से जुड़े निवेशकों ने घाटे से बचने व उसे कम रखने के लिए जमकर बिकवाली की।

पीएल कैपिटल के मार्केट एडवाइजरी हेड विक्रम कसाट के मृताबिक इन दो कारणों के अलावा बाजार पर इजरायल और ईरान के बीच युद्ध की आशंका का भी असर पड़ा है।



अमेरिका की तरफ से अगले 48 घंटों में ईरान एवं हिजबुल्लाह की तरफ से इजरायल पर हमले की चेतावनी से यह आशंका और भी प्रबल हो गई है।

हालांकि विशेषज्ञ यह भी कह रहे हैं कि भारतीय बाजार अब विदेशी निवेशकों पर निर्भर नहीं करता है। आनंद राठी शेयर्स की बिजनेस हेड तन्वी कंचन के मृताबिक भारतीय

बाजार में शार्ट टर्म मुनाफे की बिकवाली से बाजार में जो घबराहट है, वह लंबे समय तक नहीं रहने वाला है। सभरवाल ने बताया कि दो-तीन दिनों में बाजार सामान्य होने लगेगा. लेकिन मिड कैप व स्मॉल कैप को संभलने में थोड़ा वक्त लग सकता है। चनाव परिणाम वाले दिन भी बाजार में

इंडिगो की फ्लाइट में भी मिलेगी बिजनेस क्लास सेवा, 18 हजार रुपये से शुरू होगा किराया

अभी टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एयर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा बिजनेस क्लास सीटें प्रदान करती हैं। इंडिगो चालु वित्त वर्ष में सात और अंतरराष्ट्रीय स्थानों के लिए उडानें शुरू करेगी। अभी कंपनी 120 स्थानों के लिए रोजाना दो हजार से ज्यादा उडानों का संचालन करती है। इसमें 33 विदेशी शहर भी शामिल हैं। घरेलू बाजार में इंडिगो की करीब 61 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

नर्इदिल्ली। किफायती विमान सेवाएं देने वाली विमानन कंपनी इंडिगो 14 नवंबर से 12 घरेलू मार्गों पर चुनिंदा उड़ानों में बिजनेस क्लास सेवा की शुरुआत करेगी। इसके अलावा कंपनी कारोबारी विस्तार के लिए ग्राहक लायल्टी कार्यक्रम भी शुरू करेगी।

कंपनी के 18 वर्ष पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने सोमवार को

कहा कि बिजनेस क्लास की सीटों के लिए छह अगस्त से बुकिंग शुरू हो जाएगी। बिजनेस क्लास के यात्रियों को स्पेशल फुड ऑफर किया जाएगा। ए३२१ नियो विमानों में

कितना होगा बिजनेस क्लास का किराया ?

एल्बर्स ने कहा कि बिजनेस क्लास सीट के लिए एकतरफ का किराया 18,018 रुपये से शरू

होगा। यह सीटें सबसे व्यस्त और और विस्तारा बिजनेस क्लास सीटें

7 इंटरनेशनल उड़ानों का

प्रदान करती हैं। इंडिगो चालू वित्त वर्ष में सात और अंतरराष्ट्रीय स्थानों के लिए उड़ानें शुरू करेगी। अभी कंपनी 120 स्थानों के लिए रोजाना दो हजार से ज्यादा उड़ानों का संचालन करती है। इसमें 33 विदेशी शहर भी शामिल हैं। इससे इंडिगो का दबदबा और बढ़ने के आसार हैं।

घरेल बाजार में इंडिगो की करीब 61 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी ने 975 विमानों का ऑर्डर दे रखा है। कार्यक्रम में इंडिगो के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक राहल भाटिया ने कहा कि वह और इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज यहीं बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि हालिया हिस्सेदारी बिक्री का उद्देश्य व्यवसाय और सामान्य कारपोरेट उद्देश्यों के लिए धन जुटाना था।

महंगाई से नहीं मिलने वाली है राहत, SBI ने FY25 में 5 प्रतिशत के आसपास रहने का जताया अनुमान

देश में खान-पान की चीजों की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिली है। महंगाई दर को लेकर भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने एक रिसर्च रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट में कहा गया कि इस वित्त वर्ष में महंगाई में कोई नरमी आने की उम्मीद नहीं है। हालांकि सितंबर और अक्टूबर में महंगाई दर में नरमी आ संकती है। ...

नर्डदिल्ली।आम जनता महंगाई (Inflation) में नरमी की उम्मीद कर रहा है। देश में महंगाई दर (Inflation Rate) को लेकर भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने एक रिसर्च रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार फिलहाल आम जनता को महंगाई से राहत नहीं मिलेगी। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई दर 5 फीसदी के आस-पास रह सकती है। हालांकि, सितंबर और अक्टूबर में महंगाई से हल्की राहत मिलने की उम्मीद है।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)



कंट्रोल करने पर ही। जून में सीपीआई यानी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) 5.08 फीसदी थी। खान-पान की कीमतों में आई तेजी की वजह से महंगाई बढ़ रही

अगर खान-पान की चीजों के दाम में नरमी नहीं आती है तो इस साल महंगाई दर 5 फीसदी के आसपास रह सकती है। हालांकि, सितंबर 2024 और अक्तूबर 2024 में महंगाई दर में गिरावट आने की उम्मीद है।

खान-पान की चीजें महंगी हई। भारी बारिश की वजह से फसल बरबाद हो गई और बारिश ने ट्रांसपोर्टेशन पर भी असर डाला। हालांकि, वर्तमान के मानसून काफी संतोषजनक है। अब तक मानसून 2 फीसदी के सरप्लस के साथ आगे बढ़ रहा है। खरीफ फसलों के क्षेत्र में भी 2.9 फीसदी की प्रगति देखने को मिल रही है। ऐसे में उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में मंहगाई आरबीआई के

अनुसार मानसून की वजह से भी

जापान के येन का शेयर मार्केट क्रैश से क्या है कनेक्शन, क्यों ट्रेंड हो रहा Carry Trade

सोमवार को जापान के स्टॉक मार्केट में भारी गिरावट दर्ज की गई। सबह बाजार खुलते ही जापान का स्टॉक एक्सचेंज निक्केई 2400 अंक यानी 7 फीसदी तक गिर गया। फिर यह सिलसिला आगे भी जारी ही रहा। आखिर में निक्केई 12 .40 फीसदी यानी 4451 .28 अंक गिरकर 31458 .42 के स्तर पर बंद हुआ। जापानी मार्केट में गिरावट की सबसे बड़ी कैरी टेड को माना जा रहा है।

नई दिल्ली। बैंक ऑफ जापान (BOJ) ने पिछले हफ्ते ब्याज दरों में 15 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया था। इससे पहले मार्च में भी जापान के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को बढ़ाया था। उसका मकसद अपनी करेंसी येन को मजबूत करना और अर्थव्यवस्था को बढावा देना है। जापान परंपरागत तौर पर कम ब्याज दर वाला देश माना जाता है। यही वजह है कि जापान से सस्ती दरों पर कर्ज उठाकर ट्रेडर्स उसे डॉलर में एक्सचेंज करते हैं और दूसरे देशों में निवेश करते, ज्यादातर अमेरिकी शेयर बाजार में। निवेश की यह रणनीति कहलाती है, कैरी ट्रेड । लेकिन, जापान में ब्याज दर बढ़ने के बाद यह रणनीति

अबकैरीट्रेडमेंक्यासमस्याहोगी?

जापानी मुद्रा येन को दुनियाभर के निवेशक कैरी ट्रेड के लिए काफी अच्छा समझते हैं। लेकिन, अब डॉलर के मुकाबले येन का भाव काफी बढ़ गया है। बैंक ऑफ अमेरिका का कहना है कि येन सबसे ज्यादा बढ़ चुकी करेंसी में से एक है। इससे कैरी ट्रेड करने वाले निवेशकों पर दोहरी मार पड रही है।

जापान में ब्याज दरें बढ़ने का मतलब है कि ट्रेडर्स को उधार लिए येन पर अधिक ब्याज देना होगा. साथ ही उन्हें भारी विदेशी मदा घाटे का भी सामना करना पड़ रहा है। इससे वे शेयर मार्केट में बिकवाली कर रहे हैं, जिसका असर दुनियाभर के बाजारों पर पड़ रहा है।

बिजनेस रूट पर उपलब्ध होंगी और इसकी शुरुआत दिल्ली-मुंबई उड़ानों से होगी। कंपनी ने इसी वर्ष 23 मई को चनिंदा मार्गों पर बिजनेस बिजनेस क्लास की 12 सीटें होंगी। क्लास सेवा शुरू करने की घोषणा की थी।

अभी टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस

परिवहन विशेष न्यूज

अमेरिका में मंदी की आशंका ने दुनियाभर

अमेरिका से लेकर जापान और भारत के

के शेयर बाजार में तबाही ला दी हैं।

स्टॉक मार्केट कोहराम मचा दिया है।

भारतीय शेयर बाजार की बात करें तो

सोमवार को शुरुआती कुछ घंटों में ही

निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपये से

3 फीसदी से अधिक गिरावट के साथ

कारोबार कर रहे हैं।

अधिक स्वाहा हो गए। सेसेंक्स और निफ्टी

नर्ड दिल्ली। अमेरिकी शेयर बाजार जलाई

में अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर कारोबार

कर रहा था। उसी के इर्द-गिर्द दुनियाभर के

स्टॉक मार्केट में बहार थी। इसमें भारत का

शेयर बाजार भी शामिल था। लेकिन, फिर कुछ

मार्केट शेयर में अव्वल

वॉरेन बफे की बर्कशायर हैथवे ने जलाई में एपल समेत कई कंपनियों में बड़े पैमाने पर अपनी हिस्सेदारी बेची। यह शायद पहली दफा था, जब बर्कशायर ने किसी एक तिमाही ने इतनी ज्यादा बिकवाली की हो। वहीं, नए निवेश की बात करें, तो वॉरेन बफे ने जून तिमाही में तकरीबन न के बराबर किया। उनका कहना है कि वह नया निवेश तभी करेंगे, जब उन्हें भारी लाभ की उम्मीद रहेगी।

कौन है दुनियाभर के शेयर मार्केट क्रैश का

जिम्मेदार? क्या है इसमें उसका फायदा

बफे की बिकवाली ने दुनियाभर के शेयर बाजरों में कई अटकलों को जन्म दिया। निवेशकों के मन सवाल उठने लगे कि बफे अपना कैश भंडार क्यों बढ़ा रहे हैं। दुनियाभर के निवेशकों को लगा कि बफे कुछ तो ऐसा जानते हैं, जो उन्हें नहीं पता। यही वजह है कि अमेरिका के साथ ही चीन, जापान और भारत



जैसे सभी बड़े बाजारों में बिकवाली हुई और शेयर मार्केट क्रैश कर गया। मार्केट में गिरावट से बफे को क्या

वॉरेन बफे के दोनों हाथ में लड्ड हैं। उनके पास 277 अरब डॉलर का कैश तो है ही, साथ ही कई कंपनियों में होल्डिंग भी है। इसका

मतलब कि अगर मौजूदा गिरावट न भी आती, तो वह एपल और बैंक ऑफ अमेरिका जैसी कंपनियों में अपनी होल्डिंग की बदौलत अच्छा खासा मनाफा कमा सकते थे। वहीं, गिरावट के सुरत में उनके पास मौका रहेगा कि वे अकृत धन भंडार को वापस मार्केट में लगाकर तगडा

बांग्लादेश-भारत के बीच व्यापार ठप, नई सरकार बनने के बाद क्या होगा?

ऐसा होता है कि दुनियाभर के स्टॉक मार्केट में

गिरावट का खौफ बढ़ जाता है। और इसके केंद्र

निवेशक वॉरेन बफे (Warren Buffett)।

Hathaway) के चेयरपर्सन बफे निवेश की

बहुत-ही कम लोग होंगे, जिन्होंने निवेश से बफे

277 अरब डॉलर कैश है। रुपये में बात करें, तो

अमेरिकन एक्सप्रेस और बैंक ऑफ अमेरिका

अकृत नकदी भंडार की बदौलत बड़ी से बड़ी

क्या बफे हैं शेयर मार्केट क्रैश के

में अच्छी-खासी होल्डिंग भी है। वह अपने

कंपनी के शेयरों में उछाल या गिरावट ला

में होते हैं अमेरिकी अरबपति और दिग्गज

बर्कशायर हैथवे (Berkshire

दुनिया शाहकार समझे जाते हैं। दुनिया में

जितना पैसा बनाया होगा। उनके पास करीब

लगभग 25 ट्रिलियन। बफे की एपल,

बांग्लादेश में छात्रों ने आरक्षण के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। उन्हें विपक्ष का भी भरपुर समर्थन मिला। इसमें बहुत-से लोगों की जान भी गई। इस व्यापक विरोध प्रदर्शन के चलते ही शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोडना पडा। बांग्लादेश सरकार ने रविवार को एक अधिसूचना के जरिए तीन दिनों के व्यापार बंदी का एलान किया था। इस दौरान सिर्फ जरूरी सेवाओं के व्यापार की इजाजत है।

नई दिल्ली। बांग्लादेश में सियासी संकट काफी गहरा गया है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा देने के बाद देश छोड़ दिया है। वह फिलहाल भारत में आ गई हैं और यहां उनका लंदन जाने का प्लान है। बांग्लादेश में सेना ने सत्ता का संभाली है और उसका दावा है कि दो दिन के भीतर अंतरिम सरकार का गठन हो जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम असर भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार पर भी पड़ रहा है। भारत-बांग्लादेश के बीच व्यापार

बांग्लादेश में छात्रों ने आरक्षण के मद्दे पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। उन्हें विपक्ष का भी

भरपूर समर्थन मिला। इसमें बहुत-से लोगों की जान भी गई। इस व्यापक विरोध प्रदर्शन के चलते ही शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। बांग्लादेश सरकार ने रविवार को एक अधिसूचना के जरिए तीन दिनों के व्यापार बंदी का एलान किया था। इस दौरान सिर्फ जरूरी सेवाओं के व्यापार की इजाजत है। पश्चिम बंगाल निर्यातक

समन्वय समिति के सचिव उज्ज्वल साहा का कहना है कि बांग्लादेशी सीमा शुल्क विभाग

बंदरगाहों पर जरूरी मंजुरी नहीं दे रहे। ऐसे में निर्यात और आयात सारी गतिविधियां ठप हो गई हैं। उन्होंने कहा कि सुबह व्यापार गतिविधियों में थोड़ी हलचल दिखी थी, लेकिन हसीना के इस्तीफे की खबर के बाद सबकछ ठप हो गया।

कब तक बंद रहेगा व्यापार भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापारिक



संबंध काफी पुराने हैं। शेख हसीना के कार्यकाल दोनों देशों के संबंध और भी प्रगाढ़ हुए। शेख हसीना और उनकी नीतियों को भारत समर्थक समझा जाता है। हालांकि, अब देखने वाली बात यह होगी कि बांग्लादेश में गठित होने वाली सरकार का भारत के प्रति रुख कैसा रहता है।

बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज-

जमान ने एलान किया है कि 48 घंटे में अंतरिम सरकार का गठन होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अंतरिम सरकार में वकार-उज-जमान भी शामिल होंगे। भारत भी बांग्लादेश के बिगड़े हालात पर करीबी नजर रख रहा है। बीएसएफ सीमा को लेकर सतर्क है। वहीं, भारतीय रेलवे ने कई टेनों को कैंसिल करने का फैसला किया है।



शेख हसीना की ढाका से विदाई...सैन्य शासन और चुनाव पर संशय बरकरार, भारत ने पड़ोसी देश की हालात पर जताई चिंता

दो अलग-अलग कार्यकालों और 20 वर्षों से बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के रूप में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान (चल रहे विरोध प्रदर्शनों में 300 से अधिक लोगों की मौत हो चूकी है) उनकी सबसे बड़ी परीक्षा में वह विफल दिख रहीं है। 76 वर्षीय शेख हसीना ने पीएम पद से इस्तीफा दे दिया है और बांग्लादेश को उसकी हालात पर छोडकर भाग गईं हैं।

नई दिल्ली ।07 जनवरी, 2024 को अवामी लीग ने जब लगातार चौथी बार बांग्लादेश चुनाव में विजय हासिल की तो इसकी मुखिया शेख हसीना ने सोचा नहीं होगा कि सिर्फ आठ महीनों में ही उन्हें देश छोड़ कर भागना पड़ेगा।रिजर्वेशन कोटा पर जून, 2024 में ढाका में शुरु हुआ छात्र आंदोलन रविवार (4 अगस्त) को बहुत ही हिंसक रूप ले लिया जिसके बाद बांग्लादेश की सेना ने भी पीएम हसीना की मदद करने से इनकार कर दिया। अंततः सोमवार (05 अगस्त) को सेना के हेलीकाप्टर से हसीना को ढाका से दिल्ली

माना जा रहा है कि कुछ दिनों तक यहां रहने के बाद वह लंदन जा सकती हैं। इसके साथ ही दक्षिण एशिया में भारत के सबसे विश्वस्त सरकार की भी विदाई हो गई है। बांग्लादेश का भविष्य कैसा होगा अभी यह अस्पष्ट नहीं है। वहां सैन्य शासन लंबा चलता है या जल्द ही चुनाव करवाये जाते हैं, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन कई वजहें हैं जिसके कारण बांग्लादेश के हालात भारत के लिए

सबसे विश्वस्त वैश्विक साझेदार रही हैं

पूरी दुनिया में कोई एक वैश्विक नेता जिस पर भारत आंख मृंद कर भरोसा कर सकता था वह बंग-बंधु शेख मुजीबुर्रहमान की पुत्री शेख हसीना थी। चाहे पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की यूपीए-दो का कार्यकाल हो या विगत दस वर्षों से पीएम नरेन्द्र मोदी की सरकार



हो, शेख हसीना ने हमेशा भारतीयों हितों का ख्याल रखा। पहले, ढाका से उन्होंने पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आइएसएआइ के नेटवर्क और पाक की मदद से फल-फूल रहे भारत विरोधी कट्टरपंथियों की दुकानें बंद करवाई। वर्षों से ढाका व काक्सबाजार में छिप कर रहने वाले असम के आतंकियों का सफाया कराया।

पाक समर्थित आंतकवाद के मुद्दे पर सार्क व दूसरे मंचों पर हमेशा भारत का साथ दिया । जाहिर है कि अब इस पड़ोसी देश में जो भी नई सरकार आती है उसके साथ भारत का पुराना भरोसा बनाने में समय लगेगा। भारत ने भी हसीना के हितों का ख्याल रखा। कभी वहां के अंदरूनी हालात में दखल नहीं दी। वर्ष 2015 में सीमा विवाद विधेयक पारित कराने के साथ ही 40 वर्ष पुराने विवाद का निपटारा किया। बांग्लादेश को कई संड़कों, रेल मार्गीं, ऊर्जा परियोजनाओं का तोहफा

बीएनपी व कड़रपंथी का साथ यानी भारत के साथ विश्वासघात

अवामी लीग के बाहर होने के साथ ही इस बात की संभावना है कि पीएम हसीना की सरकार में रहे कट्टरपंथियों और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अब वहां की राजनीति में ज्यादा सक्रिय हो जाएंगे। इन दोनों के साथ भारत का रिश्ता बहुत अच्छा नहीं रहा है। पूर्व में बीएनपी की पीएम खालिदा जिया ने भारत के बजाये हमेशा चीन व पाकिस्तान को मदद पहुंचाई है। जिया ने भारत की तरफ से बार-बार आग्रह

करने के बावजूद उल्फा आतंकियों पर लगाम नहीं लगाई। वर्ष 2001-2006 के दौरान जिया के दूसरे कार्यकाल में पूरा बांग्लादेश पाकिस्तानी एजेंसी आइएसआइ का सबसे बड़ा भारत विरोधी अड्डा बन

इसी तरह से जिस तरह से हसीना के देश छोड़ने की खबर के बाद बंग-बंधु की मूर्तियों, भारत से संबंधित भवनों आदि को नुकसान पहुंचाया गया है वह बताता है कि वहां जमाते-इस्लामी को खली छट मिल गई है। जमात बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई के दौरान भी पाकिस्तान परस्त रहा था । हसीना ने सत्ता में लौटने के बाद इनके कई नेताओं को फांसी की सजा सुनाई। पिछले बुधवार को ही हसीना सरकार ने जमात व इसके छात्र धड़े को प्रतिबंधित किया है।

चीन व पाकिस्तान के प्रभाव पर रखनी होगी

बांग्लादेश में नये हालात वहां पाकिस्तान और चीन का प्रभत्व बढ़ा सकते हैं। ढाका के जरिए भारत को घाव देने की पाकिस्तान के मंसबों पर शेख हसीना की सरकार ने पूरी तरह से पानी फेर दिया था। हाल ही में जब हसीना सरकार ने तीस्ता नदी की सफाई का काम भारतीय सहयोग से करवाने का फैसला किया तो यह चीन को काफी नागवार गुजरा। इस विवाद की वजह से बांग्लादेश पीएम हसीना को जुलाई, 2024 में अपनी बीजिंग यात्रा अधूरी ही छोड़ कर स्वदेश लौटना पड़ा। जबिक चीन बांग्लादेश के लिए अपनी झोली खोलने

को तैयार था। अब भारत को बांग्लादेश में मालदीव जैसे हालात का सामना करना पड सकता है।

पूर्वोत्तरराज्यों की सुरक्षा

बांग्लादेश के साथ रिश्तों का संबंध सीधे तौर पर भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। पिछले दस वर्षों में भारत ने बांग्लादेश के जरिए पूर्वीत्तर राज्यों की कनेक्टिविटी बढ़ाने पर काफी जोर दिया है। अभी यह क्षेत्र सिलीगुड़ी मार्ग (चिकेन नेक) से ही शेष भारत से जुड़ा हुआ है। रणनीतिक विशेषज्ञ इसे भारतीय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती मानते हैं क्योंकि चीन की इस पर नजर रहती है। इस मार्ग को तोड कर पूर्वीत्तर भारत को शेष भारत से संपर्क काटा जा सकता है। अप्रैल, 2023 में हसीना सरकार ने चट्टोग्राम व मोंगला पोर्ट के इस्तेमाल की खुली छूट भारत को दी थी जिसे भारत की एक बड़ी रणनीतिक जीत बताई गई

रिश्तों के दीर्घकालिक एजेंडा अधर में

जून, 2024 में नई दिल्ली में पीएम मोदी और हसीना ने दीर्घकालिक रिश्तों का एक एजेंडा जारी किया था जिसमें कैसे द्विपक्षीय रिश्तों को सैन्य व आर्थिक क्षेत्र में आगे ले जाना है इसका रोडमैप था। इसमें आपसी सहयोग से रक्षा उपकरण बनाने से लेकर मक्त व्यापार समझौता करने का लक्ष्य था। अब देखना होगा कि नई सरकार इस एजेंडे पर क्या रुख अख्तियार करती है।

'बांग्लादेश हमारे देश के कुछ हिस्सों में अस्थिरता बढा सकता है

बांग्लादेश में भारत के पूर्व उच्चायुक्त और पूर्व विदेश सचिव हर्ष श्रुंगला ने कहा कि शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन के पीछे विदेशी हाथ होने की आशंका है। बांग्लादेश में जो भी सत्ता व्यवस्था में है। भारत उसके बातचीत करेगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में इस राजनीतिक संकट में आर्थिक कारकों और अवसरवादियों का योगदान है। एक अस्थिर बांग्लादेश हमारे देश के कुछ हिस्सों में अस्थिरता बढ़ा सकता है। एक शांतिपूर्ण, समृद्ध, स्थिर बांग्लादेश ही भारत के हित में है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के साथ काम करें कि हमारे और बांग्लादेश के हित सुरक्षित रहें।

भीलवाड़ा में नवीन गौशाला भूमि आवंटित - कोठारी

भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी ने विधानसभा चुनाव परिणाम आते ही प्रथम उद्बोधन में ही कहा था कि हम निराश्रित गौवंश के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे तथा गौवंश हेत निरंतर प्रयत्नशील रहेंगे। स्मरण रहे वर्तमान में काइन हाउस सीताराम गौशाला की क्षमता 750 के करीब है, फिर भी विधायक कोठारी के प्रयत्नों से यहाँ 1050 के करीब गौवंश भिजवाये जा चुके हैं। अपने स्तर पर आसपास की गौशालाओं में भी विधायक कोठारी ने गौवंशों को भिजवाया है।

विधायक मीडिया प्रभारी सत्यम शर्मा ने बताया कि इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए 16वीं विधानसभा के द्वितीय बजट सत्र के अंतर्गत विधायक कोठारी के सतत प्रयासों से नगर परिषद भीलवाड़ा में 13.1381 हेक्टेयर भूमि नवीन गौशाला के



लिए व 18.98 हेक्टेयर भूमि गौवंश के विचरण व पानी पीने हेतु चिहिनत की गई है। जिला कलेक्टर भीलवाड़ा के द्वारा आवंटन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन हो चुकी है। इससे भीलवाड़ा को अतिशीघ्र गौवंश हेतु एक नवीन व आधुनिक सुविधाओं के साथ गौशाला मिलेगी तथा सड़कों पर निराश्रित गौवंशों का स्थाई समाधान प्राप्त होगा

-भुवनेश्वर-दुर्गापुर के बीच नई उड़ान शुरू होगी

भुबनेश्वर: भुवनेश्वर के लोगों के लिए अच्छी खबर है। यात्री सीधे पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर के लिए भी उड़ान भर सकते हैं। -भुवनेश्वर-दुर्गापुर के बीच नई उड़ान शुरू होगी। यह सेवा 30 अगस्त से शुरू होगी, यह जानकारी दुर्गापुर काजी नजरूल इस्लाम एयरपोर्ट के निदेशक कैलास मंडल ने शुक्रवार को भुवनेश्वर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी

।उन्होंने कहा, भुवनेश्वर से दुर्गापुर के लिए रोजाना उड़ानें चलेंगी । जो सुबह 11.15 बजे भुवनेश्वर से रवाना होगी और दोपहर 12.55 बजे दुर्गापुर एयरपोर्ट पहुंचेगी । यह सोमवार, ब्धवार, शुक्रवार और शनिवार को शाम 4.35 बजे दुर्गापुर से भुवनेश्वर



पहुंचेगी। जो शाम 6.15 बजे पहुंचेगी ।एक उड़ान मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को शाम 5.10 बजे दुर्गापुर से भुवनेश्वर लौटेगी, जो शाम 6.55 बजे पहुँचेगी। श्री मंडल ने कहा कि इस हवाई सेवा से दोनों शहरों के बीच व्यापारिक संबंध बढ़ने से पर्यटकों को लाभ होगा । उन्होंने कहा कि असम के बोगडोगरा और गौहाटी के लिए भी नई उडानें संचालित होंगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एयरपोर्ट टर्मिनल मैनेजर सिद्धार्थ बोस मौजुद थे ।

केदारघाटी में मिला एक और शव, 1401 तीर्थयात्री निकाले गए सुरक्षित; अब तक 16 लोगों की मौत

नईदिल्ली। उत्तराखंड और हिमाचल में वर्षा, बादल फटने और बाढ़ के चलते दुश्वारियां बनी हुई हैं। उत्तराखंड की केदारघाटी में सोमवार को एक और शव बरामद हुआ है। घाटी में अब तक पत्थरों और मलबे में दबे चार शव मिल चुके हैं। इसके साथ ही सोमवार को 1,401 तीर्थयात्रियों को निकाला गया है। दूसरी और हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित सुन्नी बांध में दो शव और मिले हैं। इनमें एक महिला और दूसरा पुरुष का है। अब भी लापता लोगों की

तलाश जारी है। केदारघाटी में 31 जलाई को पैदल मार्ग पर बादल फटने के बाद भूस्खलन होने से फंसे तीर्थ यात्रियों को निकालने के लिए सेना. एनडीआरएफ. एसडीआरएफ और पुलिस के जवान छह दिन से जुटे हैं। धाम तक पहुंचने के लिए क्षतिग्रस्त



पैदल मार्ग और पुल बनाने का काम शुरू हो गया है । घाटी में मोबाइल सेवा भी शुरू हो गई है । आशंका जताई जा रही है कि अब भी कुछ लोग जंगल में फंसे हैं या मलबे और पत्थरों के नीच दबे हुए हैं। इस संभावना को देखते हुए खोजबीन में ड्रोन के साथ स्निफर डाग स्क्वाड का सहयोग भी लिया जा रहा है। केदारघाटी में सोमवार को जो शव बरामद हुआ है। उसकी पहचान गौतम निवासी 223 ए, वार्ड नंबर 18 जगाधरी, यमुनानगर (हरियाणा) के रूप में हुई। वहीं, यहां फंसे तीर्थ यात्रियों को निकालने का अभियान अभी पूरा नहीं हो पाया है। इसके लिए लगातार प्रयास जारी हैं। खास बात यह रही कि केंद्र सरकार की ओर से भेजे गए चिनूक हेलीकाप्टर का मौसम साफ होने से पहली बार इस अभियान में उपयोग हो पाया। इसके अलावा वायुसेना के एमआइ-17 और छोटे हेलीकाप्टर ने भी भरपूर सहयोग किया। चिनूक ने चमोली की गौचर हवाई पट्टी से दो उड़ान भरीं, जिनमें 65 लोग लाए गए, जबकि एमआइ-17 ने चारधाम हेलीपैड गुप्तकाशी से तीन उड़ान भरते हुए 61 लोग रेस्क्य किए। अब तक 11,652 तीर्थ यात्रियों को सकुशल निकाला जा चुका है। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि अब धाम में 70 से 100 तीर्थयात्री और करीब 300 स्थानीय लोग हैं। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू, शिमला और मंडी जिले में सात स्थानों पर बादल फटने के बाद बाढ़ आने से अब तक 16 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 39 लापता हैं। सोमवार को दो और शव बरामद हुए हैं। फिलहाल इनकी पहचान नहीं हो पाई है। लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, सेना, आइटीबीपी व सीआइएसएफ की टीमें जटी हुई हैं। लाइव डिटेक्टर डिवाइस और खोजी कत्तों की मदद भी ली जा रही है।

सेलेक्ट कमिटी के जरिए वक्फ बोर्ड विधेयक पर सरकार को थामने की होगी विपक्ष की कोशिश, सपा और वामदलों ने किया विरोध का एलान

सोमवार को विपक्षी नेताओं ने वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन पर कडा विरोध जताया और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर सामाजिक विभाजन पैदा करने और मुस्लिम अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया समाजवादी पार्टी के साथ वामपंथी दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने के अपने इरादे साफ कर दिए हैं। वहीं कांग्रेस सतर्कता के साथ निर्णय करेगी।

नई दिल्ली। वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव करने के लिए लाए जाने वाले संशोधन विधेयक के खिलाफ शुरू हुई राजनीतिक लामबंदी के बीच विपक्षी आइएनडीआइए गठबंधन राजग सरकार के दो सहयोगी दलों जनतादल यूनाइटेड और तेलगुदेशम का इस मुद्दे पर रूख देखने के बाद अपनी अंतिम रणनीति तय करेगा। समाजवादी पार्टी के साथ वामपंथी दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने के अपने इरादे साफ कर दिए हैं। लेकिन कांग्रेस सतर्कता के साथ निर्णय करेगी। दरअसल उसे राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति करनी है और वह नहीं चाहेगी कि उसके किसी फैसले से कोई ऐसा नैरेटिव तैयार हो जिसका नुकासन हो जाए। सरकार और विपक्ष के बीच इस मुद्दे पर चल रहे सियासी दांव-पेंच इस ओर इशारा कर रहे हैं कि वक्फ बोर्ड के मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए विपक्ष की ओर से विधेयक को संसद की सेलेक्ट कमिटी (प्रवर सिमिति) में भेजे जाने की मांग की जाएगी।



राजग सरकार की ओर से वर्तमान मानसून सत्र में ही वक्फ संशोधन विधेयक लाए जाने की तैयारी को देखते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड समेत कई प्रमुख अल्पसंख्यक संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। सरकार से वक्फ के मामले में छेडछाड नहीं करने का अनुरोध करने के साथ इन संगठनों ने विपक्षी खेमे के दलों से सदन में विधेयक का विरोध करने की अपील की है। विपक्षी खेमे की अगुवाई कर रही कांग्रेस से मिल रहे संकेतों के अनुसार विधेयक का मसौदा सामने आने के बाद गुण-दोष के आधार पर पार्टी अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करेगी।

'दोनों दलों के लिए अपने राज्य की सियासत

सरकार सदन में विधेयक लाती है तो फिर इसके जटिल पहलुओं का अध्ययन करने के लिए इसे सेलेक्ट कमिटी में भेजे जाने की आइएनडीआइए गठबंधन की ओर से मांग की जाएगी क्योंकि सेलेक्ट कमिटी में आपत्तियों के निवारण की गुंजाइश रहेगी। कांग्रेस की निगाहें इस मामले में जदय और टीडीपी पर भी लगी है जो राजग सरकार के बहुमत के कर्णधार हैं और इन दोनों दलों के लिए अपने राज्य की सियासत भी महत्वपूर्ण है।

वक्फ विधेयक पर अभी साझा दृष्टिकोण

विपक्ष को उम्मीद है कि विधेयक को सेलेक्ट कमिटी में भेजे जाने की मांग उठेगी तो जदयू-

टीडीपी भी इस पर हामी भर सकते हैं। आइएनडीआइए का वक्फ विधेयक पर अभी साझा दृष्टिकोण सामने नहीं आया है मगर समाजवादी पार्टी ने बेलाग-लपेट इसका विरोध करने की घोषणा की है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी वक्फ बोर्ड की शक्तियों पर अंकुश लगाने के केंद्र के कदम का विरोध करेगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम या मुस्लिम भाइयों के अधिकारों को छीनने के अलावा भाजपा के पास कोई काम नहीं है।

सरकार को एकपक्षीय नजरिया नहीं अपनाना चाहिए

माकपा सांसद अमरा राम और आइयएमएल के सांसद मोहम्मद बशीर ने विधेयक लाने की सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए इसका विरोध करने की बात कही। झामुमो सांसद महुआ माझी ने विधेयक का सीधे विरोध तो नहीं किया मगर कहा कि सरकार को एकपक्षीय नजरिया नहीं अपनाना चाहिए और दूसरे पक्ष की बातें भी सुननी चाहिए। तुणमूल कांग्रेस के रूख का अभी इंतजार है मगर जाहिर तौर पर वह सरकार के खिलाफ रहेगा। सरकारी सूत्रों ने संकेत दिया है कि वक्फ अधिनियम 1995 में संशोधन संबंधी विधेयक इसी सत्र में पेश किए जाने की तैयारी है। इस विधेयक में 40 से अधिक संशोधनों पर विचार किया जा रहा है जिसका उद्देश्य वक्फ बोर्डों की शक्तियों को कम

अरिबन्द् ढालि में आग लगा दी , ओड़िशा राजनीति हलचल

मनोरंजन सासमल , स्टेटे हेड उडीशा

भुबनेस्वर : अरबिन्दु ढालि मे आग लगा दी गई।आग मे घी डाला बिजेड़ी नेता अमर सतपथी । ममता महान्त के बीजेडी छोड़कर बीजेपी में जाने के बाद शंख पार्टी में घमासान तेज हो गया है । चुनाव से पहले बिजेड़ी छोड़ने वाले नेता अरविंद ढाली ने आज एक घातक बयान देते हुए कहा कि बिजेड़ी का घोंसला खाली हो जाएगा । टीम में बबी और पंडियन टीम की बजे से हर कोई नाखुश है। जिसके कारण बिजेड़ी गायब हो जाएगा । इसी तरह दखलाही ने भी पांडियन की कडी आलोचना की है । इस बयान का वरिष्ठ बिजेड़ी नेता अमर शेटपथी ने समर्थन किया है । उन्होंने कहा कि अगर पार्टी का कट्टरपंथी संगठन तय हुआ तो बड़ा उलटफेर होगा । दूसरी ओर, बिजेड़ी पार्टी की नेता उमा सामंतराय ने अपने कबीले के झगड़े की अफवाहों का खंडन किया है। उमा ने कहा कि नवीन के नेतृत्व में



टीम पूरी तरह मजबूत है। दूसरी ओर, पूर्व राज्यसभा सांसद और मयूरभंज की बिजेड़ी नेत्री ममता के अप्रत्याशित इस्तीफे के बाद बिजेड़ी ने कवायद शुरू कर दी है । बताया गया है कि आज शंख भवन में मयूरभंज नेताओं और वरिष्ठ नेताओं के बीच बैठक हुई । हालांकि, बैठक के बाद किसी भी नेता ने अपना मुंह नहीं खोला है । मयूरभंज जिले के बिजेड़ी विधायक सुन , जिसके बाद ममता की शॉक टीम को उत्तर ओडिशा भेजागया है। राजनीतिक टिप्पणीकारों की राय में अगर बिजेड़ी का पुनर्गठन

ठीक से नहीं किया गया तो पार्टी का पतन तय है।

चर्चा है कि जातीय संघर्ष के कारण बिजेडी का दबाव कम हो रहा है । कहा जा रहा है कि कुछ जन प्रतिनिधि पार्टी छोड़ने की तैयारी में हैं। ऐसे में देखिए सुप्रीम कैसे टीम को संगठित कर रहा है। ममता महंत के बाद और कौन पार्टी में शामिल होना चाहता है? अब सियासी गलियारे में कई तरह की चर्चाएं हैं। इस बीच, अरविंद दलही की बीजेडी सीट खाली होने की चर्चा ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है।

श्री बाबाधाम पर हर हर महादेव की गुंज 101 कावड़ यात्रियों द्वारा अभिषेक

परिवहन विशेष न्यूज

भीलवाडा श्री बाबा धाम के अध्यक्ष विनीत अग्रवाल के सानिध्य में श्री बाबाधाम पर श्रावण मास को श्रृद्धा व उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। श्री बाबाधाम मन्दिर पर ऋग मुक्तेश्वर गौरी शंकर महादेव का विशेष श्रृंगार किया गया। इस स्थान की ऐसी महिमा है कि गौरीशंकर का शिवलिंग एक साथ है जो कि भारत मे पहला शिवलिंग है। इसमें माता गौरी लाल रंग में तथा शिवजी हरे रंग में एक ही शिवलिंग में विद्यमान है ऐसा शिवलिंग भारत में नहीं है। इस शिवलिंग पर प्रत्येक गुरूवार को भक्तों के द्वारा चने की दाल चढाई जाती है जिससें पितृत्रमा, मातृत्रमा, सखा त्रमा, नकदऋग, से मुक्ति मिलती है। चने की दाल मंन्दिर की तरफ से निःशुल्क उपलब्ध रहती है।

श्री बाबाधाम पर शिव दरबार को विशेष आकर्षक रंगबिरंगी, झिलमिल मनमोहक लाइटिंग और फल फुलों से सजावट की गयी। श्रीबाबाधाम मन्दिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लग जाता हैं हर-हर महादेव, ऊँ नमः शिवाय की गुंज के साथ जलाभिषेक रूद्राभिषेक, हवन पूजन प्रतिदिन होता हैं। इसके



साथ अभिषेक व हवनपूजन किया जा रहा है। श्रावण मास में विशेष कावड़ यात्रा श्री बाबा धाम पर आयी, यह कावड़ यात्रा नया बापूनगर, शिव मंदिर से 101 कावड़ यात्रियों भक्तों के साथ श्री बाबाधाम पर आयी यह कावड़ यात्रा के

प्रमख थान सिंह चंदेल अग्रणी थे. इस कावड यात्रा में थान सिंह चंदेल के साथ कथावाचक नंदिकशोर भारद्वाज, पार्षद लव कुमार जोशी, भंवर लाल जाट, राम सिंह राठौड़, सत्यनारायण मालय, किशोर सिंह तंवर, एल.के. शर्मा व महिला मंडल श्रीमित मिथलेवी देवी, नीतू जैन, सीता कुमावत, उर्मिला नुवाल, मंजू देवी सोलंकी, गीता देवी मीणा, शांता माली, आशा छीपा, प्रेम देवी, नीलम जैन, गिरवर कंवर आदि सभी शिव भक्त श्री बाबाधाम मंदिर कावड़ यात्रा में आये।

अध्यक्ष विनीत अग्रवाल के सानिध्य में कावड जल से शिव जी का अभिषेक किया गया।भक्तो ने ऋगमुक्तैश्वर गौरीशंकर महादेव के अभिषेक, हवन पूजन के साथ ओम नमः शिवाय हर-हर महादेव की जय घोष के साथ अपनी मनोकामना मांगी, भोले बाबा के जय घोष के साथ इस साल अच्छी बारीश की कामना की। श्रावण मास में श्रद्धा के साथ हजारों भक्तों ने श्रीबाबाधाम में आकर धर्म का लाभ लिया । श्रावण मास में सभी धर्म प्रेमी पधार कर धर्मका लाभ लेवे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-१८,१०२० सेक्टर ५९, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं ३, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-४, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- ११००६३ से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की रिश्चित में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No:- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023